हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

# प्रयाग दर्पण

वर्ष : 08 | अंक : 151 | प्रयागराज,शनिवार 10 सितम्बर , 2022 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

## जौनपुर में बोले योगी, भ्रष्टाचारियों की संपत्ति कुर्क कर गरीबों के उपयोग में लाएगी सरकार

**जौनपुर।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सरकार ने तय किया है कि भ्रष्टाचारी की संपत्ति को कुर्क करके सार्वजनिक उपयोग में लाया जाये, जिससे इसका इस्तेमाल गरीब कल्याण के कामों भी हो सके। योगी ने शुक्रवार को यहां लगभग 250 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार की कमर तोड़ने के लिये सरकार की जीरो' टॉलरेंस नीति के कारण प्रदेश में कोई भी भ्रष्टाचारी बच नहीं सकेगा, चाहे वह कितना ही प्रभावशाली क्यों न हो। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचारियों ने जितनी भी संपत्ति जुटाई है, उसे कुक करके उसका सार्वजनिक उपयोग किया जाएगा और गरीबों के उपयोग में भी लाया जाएगा। मुख्यंयत्री योगी ने यहां स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित जनसभा को संबोधित करने से पहले 258 करोड़ रुपये की लागत वाली 116 परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इसके बाद उन्होंने निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज के साथ ही सीवर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये। यहां आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है जहां दंगा करने वाले जेलों में भेजे गये हैं। उन्हें एहसास कराया गया है कि दंगा कराने का परिणाम उन्हें तुरंत मिलेगा। इसके लिए सरकार ने कानून भी बना दिया है। योगी ने दावा किया कि पिछले पांच सालों से उनकी सरकार अपराध और अपराधियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। एनसीआरबी के आंकड़ों में भी ये स्वीकार हुआ कि उत्तर प्रदेश अब दंगामुक्त प्रदेश बन चुका है। उप्र के इस मॉडल को देश में अन्य राज्यों ने भी स्वीकार किया है। योगी ने कहा कि ब्रिटेन ने भारत पर 200 साल राज किया था। आज वही भारत अपनी आजादी के 75 वर्षों में उसी ब्रिटेन को पछाड़कर विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में पहली बार लगा कि स्वाधीनता दिवस का पर्व सिर्फ सरकारी आयोजन नहीं है, बल्कि इसमें जन–जन की भागीदारी हुयी है। मुख्यमंत्री योगी ने स्वाधीनता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बताए गए 'पंच प्रणश से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि हम लक्षित संकल्पों से जुड़कर अपने अपने क्षेत्र के दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें तो दुनिया की कोई भी ताकत भारत को विकसित राष्ट्र बनने से नहीं रोक सकती। उन्होंने कहा कि चाहे वह छात्र हो, शिक्षक, किसान, उद्यमी, व्यापारी या समाज का कोई भी तबका हो, सबके मन मे 'देश प्रथमश का भाव होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''पीएम मोदी के पंच प्रण किसी व्यक्ति, मजहब, धर्म या क्षेत्र के लिए नहीं बल्कि देश की 135 करोड़ जनता के लिए मिलकर काम करने का मंत्र हैं।

### कुल्लू में पश्चिम बंगाल के 4 पर्वतारोही लापता

**शिमला।** हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में माउंट अली रत्नी टिब्बा की चढ़ाई करने वाले पश्चिम बंगाल के चार पर्वतारोही लापता हो गए हैं। राज्य के आपदा प्रबंधन अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के निदेशक सुदेश मोख्ता ने बताया कि चारों पर्वतारोहियों की पहचान अभिजीत बानिक (43), चिन्मय मंडल (43), दिबाश दास (37) और बिनॉय दास (31) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पर्वतारोही बुधवार को लापता हो गए थे। मोख्ता ने बताया कि एक रसोइया और अभियान के दो सदस्य मलाणा के पास वाकेम लौट आए थे और अधिकारियों को चार लापता लोगों के बारे में सूचित किया। उन्होंने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण और संबद्ध खेल संस्थान मनाली से लापता पर्वतारोहियों की तलाश के लिए बचाव दल को इकट्ठा किया गया है।

मनाली के उप–मंडल मजिस्ट्रेट ने इस दल के साथ जरी में एक स्थानीय बचाव दल को भी भेजा है। उन्होंने कहा कि बचाव दल को प्रभावी और त्वरित कार्रवाई के लिए सैटेलाइट फोन के साथ रवाना किया गया है।

## जयशंकर, राजनाथ सिंह ने जापान के प्रधानमंत्री से मुलाकात की, द्विपक्षीय साझेदारी पर चर्चा की

**तोक्यो।** विदेश मंत्री एस जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जापान के प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा से शुक्रवार को मुलाकात की और क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए दोनों देशों के हितों और नीतियों के निकट समन्वय की महत्ता को रेखांकित किया। सिंह और जयशंकर ने जापान के विदेश मंत्री हयाशी योशिमासा और रक्षा मंत्री हमदा यासुकाजु के साथ बृहस्पतिवार को 'टू प्लस टू' वार्ता' में भाग लिया था।

जयशंकर ने ट्वीट किया, ''हमारी 'टू प्लस टू' बैठक के बाद प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा से बात करके खुशी हुई। भारत और जापान के हितों एवं उनकी नीतियों के बीच निकट समन्वय के महत्व को रेखांकित किया।''उन्होंने कहा कि बैठक में भरोसा जताया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और किशिदा ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने को लेकर जो रूपरेखा तैयार की है, उसे जल्द ही अमलीजामा पहनाया जाएगा। सिंह ने ट्वीट किया कि भारत और जापान के बीच साझेदारी की क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता सुनिश्चित करने में अहम भूमिका होगी। सिंह ने इस बैठक के दौरान जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबो के निधन पर शोक व्यक्त किया। आबे का एक राजनीतिक कार्यक्रम के दौरान गोली मारे जाने के बाद आठ जुलाई को निधन हो गया था। भारत और जापान ने बृहस्पतिवार को दूसरी 'टू प्लस टू वार्ता' के दौरान द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने तथा लड़ाकू विमानों के पहले अभ्यास सहित और अधिक सैन्य अभ्यासों में शामिल होने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच दोनों देशों की विशेष द्विपक्षीय रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी एक स्वतंत्र, मुक्त और कानून–आधारित हिंद–प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत ने आक्रामक चीन को रोकने के एक स्पष्ट प्रयास के तहत ''जवाबी हमले की क्षमताओं'' सहित रक्षा बलों के विस्तार और आधुनिकीकरण की जापान की योजनाओं को भी अपना समर्थन दिया।

## गोवा में 'कर्लीज रेस्तरां पर चला बुलडोजर, फिर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

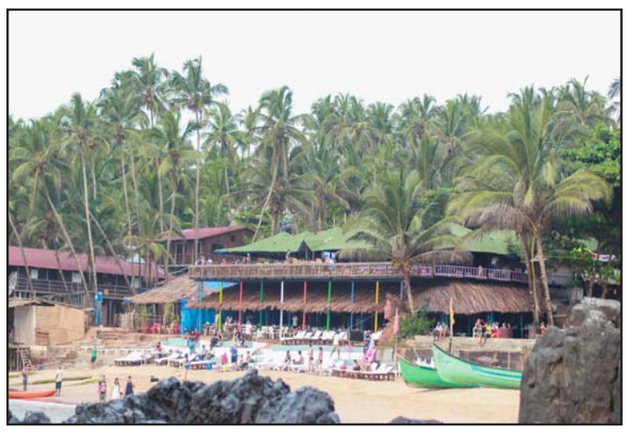

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने उत्तरी गोवा के अंजुना में 'कर्लीज रेस्तरां का एक हिस्सा ढहाए जाने पर शुक्रवार को रोक लगा दी। यह रेस्तरां भाजपा नेता सोनाली फौगाट की मौत के बाद हाल में सुर्खियों में आया था। न्यायालय का यह आदेश एक खास सर्वेक्षण संख्या पर आधारित ढांचों को गिराए जाने से ही संबंधित है। सर्वेक्षण संख्या भूमि के एक टुकड़े को आवंटित एक विशिष्ट संख्या या पहचान होती है। प्रधान न्यायाधीश उदय उमेश ललित की अगुवाई वाली एक पीठ ने यह स्पष्ट किया कि विशिष्ट सर्वेक्षण संख्या के अलावा किसी और जमीन पर बने अवैध ढांचे गिराए जा सकते हैं। पीठ ने 'कर्लीज रेस्तरां और बार मालिक को फिलहाल वाणिज्यिक गतिविधियां रोकने का भी निर्देश दिया। इससे पहले, गोवा सरकार ने तटीय नियमन क्षेत्र (सीआरजेड) नियमों के कथित उल्लंघन के लिए रेस्तरां को गिराए जाने की प्रक्रिया शुक्रवार को शुरू कर दी थी। सोनाली फौगाट अपनी मौत से कुछ घंटों पहले इस रेस्तरां में पार्टी करते हुए दिखायी दी थीं। सोनाली की मौत के मामले में गिरफ्तार पांच लोगों में रेस्तरां के मालिक एडविन नून्स भी शामिल थे, जिन्हें बाद में जमानत दे दी गयी। रेस्तरां के मलिक को जीसीजेडएमए के 2016 के ध्वस्तीकरण आदेश के खिलाफ राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) से कोई राहत नहीं मिली थी, जिसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की गयी। एनजीटी अध्यक्ष न्यायाधीश आदर्श कुमार गोयल ने छह सितंबर को इस मामले पर सुनवाई की थी। जिला प्रशासन ने बृहस्पतिवार को एक नोटिस जारी कर अपने ध्वस्तीकरण दल को शुक्रवार को रेस्तरां इमारत ढहाए जाने का आदेश दिया था।

### देश में कोरोना वायरस संक्रमण के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 49,636 हुई

**नई दिल्ली।** भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 6,093 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 4,44,84,729 हो गई, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 49,636 रह गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से 31 और लोगों की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,28,121 पर पहुंच गई है।इन 31 मामलों में वे 13 लोग भी शामिल हैं, जिनके नाम संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुनरूमिलान करते हुए केरल ने महामारी से जान गंवाने वाले मरीजों की सूची में जोड़े हैं। आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोरोना वायरस संक्रमण के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 49,636 रह गई है, जो कुल मामलों का 0.11 प्रतिशत है।

## राजपथ अंग्रेजों का दिया नहीं, नाम बदलने की क्या जरूरत थी : मलिक

**रोहतक।** मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजपथ का नाम बदलने की कोई जरूरत नहीं थी, क्योंकि यह कोई अंग्रेजों का दिया हुआ नाम नहीं था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री हर तीसरे दिन उद्घाटन करते हैं, तो उन्होंने इसका भी कर दिया। किसानों का मुद्दा उठाते हुए सत्यपाल मलिक ने कहा कि 'ये किसान कौम है, जो 300 साल तक कुछ नहीं भूलती, अभी एमएसपी कानून दे दीजिए, वरना एक बार फिर आंदोलन होगा। शुक्रवार को रोहतक पहुंचे राज्यपाल मलिक ने नांदल भवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में काफी संख्या में खाप पदाधिकारियों ने भी शिरकत की। सत्यपाल मलिक ने कहा कि एमएसपी की बात नहीं मानी गयी तो किसानों और सरकार के बीच लड़ाई होगी, मैं उस लड़ाई में राज्यपाल पद से इस्तीफा देकर कूद पड़ूंगा। राज्यपाल ने अग्निवीर योजना को लेकर भी सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि किसान और जवान खुशहाल नहीं होंगे तो देश कैसे चलेगा। उन्होंने कहा, देश में आज किसानों और जवानों पर भारी संकट है और उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। अब फौज को बर्बाद करने के लिए अग्निवीर योजना ले आए हैं, इससे कोई नतीजा नहीं निकलेगा। राज्यपाल ने कहा कि मेरे पास कुछ नहीं है, अगर कुछ होता तो ईडी, इनकम टैक्स वाले आ जाते, लेकिन रिटायर होने के बाद औरों की जांच कराऊंगा। उन्होंने कहा कि मैं श्रीनगर के दो मामलों के लिए प्रधानमंत्री के पास गया था। दोनों गलत थे, कैंसिल कर दिए। मुझे डेढ़–डेढ़ सौ करोड़ रुपए रिश्वत की पेशकश हुई थी, मुझे कुछ नहीं चाहिए, पांच कुर्ते–पायजामे में आया था और उसी में चला जाऊंगा। राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के सवाल पर उन्होंने कहा कि मेरी शुभकामनाएं उनके साथ हैं, वो अच्छा कर रहे हैं। पत्रकारों से बातचीत में मलिक ने कहा, एमएसपी को लागू न करने के बहुत सारे कारण हैं।

## महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन पर शोक की लहर, राजकीय शोक शुरू

**लंदन।** ब्रिटेन में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के स्कॉटलैंड के बाल्मोरल कैसल स्थित आवास पर निधन के एक दिन बाद शुक्रवार को ब्रिटेन में राजकीय शोक जारी है और इस बीच पूरे देशभर से लोग महारानी के आवास के इर्द–गिर्द श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लग चुका है। लंदन के बकिंघम पैलेस और बर्कशायर में विंडसर कैसल के बाहर भारी भीड़ जमा हो गयी, जिसमें कई लोगों ने 70 साल तक राज करने वाली महारानी के निधन पर अश्रुपूरित नेत्रों से निजी श्रद्धांजलि दी। महारानी एलिजाबेथ–द्वितीय का निधन 96 वर्ष की उम्र में कल हो गया। राष्ट्रमंडल के महासचिव बैरोनेस पेट्रीसिया स्कॉटलैंड ने कहा, ''1953 में महारानी ने राष्ट्रों के समूह को एक ऐसे परिवार के रूप में परिभाषित किया, जिसकी तुलना श्अतीत के साम्राज्यों' से नहीं की जा सकती। अपने शासनकाल की शुरुआत में राष्ट्रमंडल के लिए महारानी की परिकल्पना उनके समर्पण और प्रतिबद्धता से प्रेरित होकर पूरी हुई है।'' राष्ट्रमंडल सचिवालय के पास से लेकर बकिंघम पैलेस तक जाने वाले मार्ग में महारानी को श्रद्धांजलि देने के लंदन ब्लैक कैब को एक के बाद एक पंक्तिबद्ध खड़ा किया गया था, जिनकी हेडलाइट्स एक साथ जलाकर रखी गई थी। ब्रिटेन की राजधानी के सभी बस स्टॉप पर और प्रसिद्ध पिकाडिली सर्कस स्क्रीन पर महारानी के सम्मान में उनकी छवियां उकेरी गयी थीं। वंशानुगत राजशाही उनके बेटे और उत्तराधिकारी किंग चार्ल्स तश्तीय के पास गई है, जो अपनी पत्नी क्वीन कंसोर्ट कैमिला के साथ दिवंगत महारानी को लेकर बाल्मोरल से लंदन लौटेंगे। किंग चार्ल्स ने एक बयान में कहा, ''हम स्नेहिल महारानी और एक बहुत प्यारी मां के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं। मुझे पता है कि उनके निधन को पूरे देश, क्षेत्र और राष्ट्रमंडल तथा दुनिया भर के अनगिनत लोगों द्वारा गहराई से महसूस किया जाएगा।'' किंग चार्ल्स शुक्रवार को ब्रिटिश प्रधानमंत्री लिज ट्रस के साथ पहली बार दर्शकों के बीच आएंगे और उसके बाद एक संयुक्त संसद सत्र में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। ऐसी उम्मीद की जा रही है यह पूरे दिनभर चलकर स्थानीय समयानुसार रात 10 बजे तक जारी रहेगा। संसद की 10 घंटे की बैठक पूरी तरह से महारानी पर केंद्रित होगी। मध्य लंदन में, दिवंगत महारानी को 96 राउंड तोपों की सलामी के साथ श्रद्धांजलि दी जाएगी, जिसमें से प्रत्येक राउंड महारानी के जीवन के एक–एक वर्ष को समर्पित होगा। चर्च अपनी घंटी भी बजाएंगे। इंग्लैंड के चर्च ने पूरे देश के विभिन्न चर्च को प्रार्थना या विशेष सेवाओं के लिए खोलने को लेकर प्रोत्साहित किया है। ट्रस और वरिष्ठ मंत्री मध्य लंदन में सेंट पॉल कैथेड्रल में सार्वजनिक स्मशति सेवा में भाग लेंगे और उसके बाद यह निर्णय लिया जाएगा कि राष्ट्रीय शोक की अवधि कितने दिनों की होगी।

### राहुल गांधी की 42 हजार की टीशर्ट पर बीजेपी ने कसा तंज, लिखा- भारत देखो

**नई दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को दावा किया कि कांग्रेस की ''भारत जोड़ो यात्रा के दौरान उसके पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने जो टी–शर्ट पहनी थी उसकी कीमत 41,000 रुपये से अधिक है। भाजपा ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से दो तस्वीरें साझा कीं और राहुल गांधी पर निशाना साधा। पार्टी की ओर से जारी एक तस्वीर राहुल गांधी की है जबकि दूसरी तस्वीर में एक टी–शर्ट को उसकी कीमत के साथ दिखाया गया है जोकि गांधी द्वारा पहनी गई टी–शर्ट जैसी दिख रही है। तस्वीरें साझा करते हुए भाजपा ने ट्वीट किया, ''भारत देखो। भाजपा ने दावा किया कि इस टी–शर्ट की कीमत 41,257 रुपये है। वहीं, कांग्रेस नेता के समर्थन में भी कुछ उपयोगकर्ताओं ने ट्वीट किये। एक उपयोगकर्ता ने आरोप लगाया कि भाजपा के इस तरह के ट्वीट से पता चलता है कि इस यात्रा से वह ''घबरा गई है। एक अन्य उपयोगकर्ता ने कहा गांधी अपने कपड़ों पर जो खर्च कर रहे हैं, वह जनता का पैसा नहीं है। यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से कहा था कि वह यात्रा का नेतृत्व नहीं कर रहे हैं और केवल इसका हिस्सा हैं।

### राजभर को फिर लगा बड़ा झटका, 75 कार्यकर्ताओं ने छोड़ी पार्टी

**मऊ।** सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के खिलाफ बगावत शुरु कर दी है। पार्टी के वरिष्ठ नेता महेंद्र राजभर के पार्टी छोड़ने के बाद से लगातार एक–एक करके पार्टी छोड़ने का कार्यक्रम जारी है। सूत्रों की मानें तो पार्टी जिलाध्यक्ष रामजीत राजभर समेत अब तक 75 कार्यकर्ताओं ने पार्टी छोड़ दी है। कार्यकर्ताओं को आरोप है कि राजभर मिशन से भटक गए है। आरोप है कि कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौका देख पार्टी को बेचने का काम कर रहे हैं। पदाधिकारियों से कोई राय नहीं ली जा रही है। जब मन में आया तो मौका देख गठबंधन कर लिया। घर के लोगों को बढ़ावा दिया जा रहा। पार्टी कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर धनवानों को टिकट दिया जा रहा है। वहीं कार्यकर्ताओं का यह भी आरोप है कि उन्होंने जेल में बंद पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी के बेटे के इशारे पर कार्य कर रहे हैं कार्यकर्ताओं की नहीं सुनते है। जिससे नाराज कार्यकर्ताओं ने पार्टी छोड़ दी है। बता दें कि ओमप्रकाश राजभर और अखिलेश के गठबंधन टूटने के बाद से राजभर अपने नए गठबंधन की तलाश में है। सपा से गठबंधन टूटने के बाद राजभर मायावती से गठबंधन की बात कही थी।

### कांग्रेस अध्यक्ष बनने के सवाल पर बोले राहुल- मैंने निर्णय ले लिया है, इंतजार करें

**कन्याकुमारी।** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दोबारा पार्टी अध्यक्ष बनने संबंधी सवाल पर शुक्रवार को कहा, 'मैंने निर्णय ले लिया है, मैं बहुत स्पष्ट हूं, जब पार्टी के चुनाव होंगे तब जवाब दूंगा। तब तक इंतजार करिए। अगर मैं कांग्रेस के अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ता हूं, तो आप मुझसे सवाल पूछ सकते हैं और तब मैं जवाब दूंगा कि मैंने चुनाव क्यों नहीं लड़ा। उन्होंने यहां 'भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पत्रकारों से कहा कि पदयात्रा यह समझने की कोशिश है कि जमीनी स्तर पर क्या हो रहा है और साथ ही यह भाजपा तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा किए गए नुकसान की भरपाई की कोशिश है। राहुल गांधी ने कांग्रेस को बचाने के लिए यह यात्रा किए जाने के आरोपों पर कहा, भाजपा–आरएसएस अपनी राय रखने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन हम लोगों से जुड़ने के लिए यह यात्रा कर रहे हैं।

# सम्पादकीय

## शौक के जोखिम

एक खबर के मुताबिक, एक इमारत में लिफ्ट के बाहर कुत्ते ने बच्चे को काट लिया और उसकी मालिक ने बच्चे के बचाव में कुछ नहीं किया। जबकि कुत्ते के काटने पर बच्चा उस महिला के सामने कराहता रहा। अक्सर बड़े शहरों में अमीर लोगों को कुत्ता पालने का शौक रहता है, पर वह कुत्ते को घुमाने–फिराने के सिवा कुछ भी नहीं सिखाते हैं।ॅतपजजमद इल जनसत्ताय एक खबर के मुताबिक, एक इमारत में लिफ्ट के बाहर कुत्ते ने बच्चे को काट लिया और उसकी मालिक ने बच्चे के बचाव में कुछ नहीं किया। जबकि कुत्ते के काटने पर बच्चा उस महिला के सामने कराहता रहा। अक्सर बड़े शहरों में अमीर लोगों को कुत्ता पालने का शौक रहता है, पर वह कुत्ते को घुमाने–फिराने के सिवा कुछ भी नहीं सिखाते हैं। लिफ्ट के पास महिला उस कुत्ते के साथ थी। उसी लिफ्ट में स्कूली बच्चा भी आया। तब उस बच्चे को देखकर कुत्ता न केवल भौंका, बल्कि फिर उसने उसे काट भी लिया। बच्चा महज दस साल का था। अपना बचाव नहीं कर सका। तब हमारा यही कहना है कि कुत्ते की मालिक महिला की जिम्मेदारी थी कि वह अपने कुत्ते को बच्चे से दूर रखती और बच्चे को भी उससे दूर रहने के लिए सावधान करती। पर उसने ऐसा नहीं किया। इसलिए सारा दोष कुत्ते की मालिक का ही माना जाना चाहिए। फिर एक ही बिल्डिंग में रहने के कारण उस महिला को उस बच्चे के प्रति तो अवश्य सुरक्षा का भाव रखना था। सवाल है कि कुत्ता पालने वाले किसी व्यक्ति के भीतर की सामान्य और बुनियादी इंसानी संवेदना ऐसे समय में कहां चली जाती है और क्यों चली जाती है? एक पशु को प्यार करने और उसका खयाल रखने वाले लोग किसी तबके या इंसान के प्रति इतने संवेदनहीन कैसे और क्यों हो जाते हैं? कहा जा रहा है कि कुत्ते का टीकाकरण हो गया था, पर इससे क्या होता है? बच्चे को कुत्ते ने जिस तरह काट लिया और जख्मी कर दिया उसका जवाबदेह कौन होगा? इसलिए आज बढ़ती आबादी के माहौल में जहां आज इंसानों का रहना भी काफी मुहाल हो रहा है, ऐसे में जानवर, विशेष रूप से कुत्ता पालना अनुचित ही माना जाना चाहिए। इनकी देखभाल करना आज काफी मुश्किल एवं परेशानी का सबब है। महानगरों में जहां आज बड़ी–बड़ी इमारतों में आम नागरिक रहते हैं। जगह की वैसे भी काफी कमी महसूस की जाती है, जहां कुत्ते को घुमाने–फिराने तक की जगह नहीं मिलती है। इसलिए घरों एवं सोसाइटी में कुत्ते पालना आज काफी दुष्कर है। ऐसे में फिर ये कुत्ते किसी को काट ले तो वह तो काफी दुख की बात ही कही जाएगी।अक्सर सोसाइटी में खेलते बच्चे इन कुत्तों का शिकार हो जाते हैं। इसके अलावा, ऐसी खबरें भी अक्सर आती रहती हैं कि किसी बच्चे को या बुजुर्ग को आवारा कुत्तों ने काट लिया या नोंच कर मार डाला। बड़े शहरों–महानगरों में कुत्ते पालने के लिए नगर निगम को कई तरह के कड़े नियम भी बनाने चाहिए। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि इसका लाइसेंस जरूरी है।

# क्या जेपी जैसा कारनामा कर पाएंगे राहुल गांधी?

राज पथ अब कर्तव्य पथ हो गया है। देर से ही सही पर अब सरकार को याद आ गया है कि अब तक वह राज कर रही थी अब शायद सेवा करेगी, अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेगी। विपक्ष को भी भान हो गया है कि अगर अब भी उसकी चेतना का बिगुल नहीं बजा तो फिर उसका पाताल लोक में चला जाना तय है। नतीजतन, एक तरफ विपक्ष के सारे नेता नीतीश कुमार समेत सभी एक दूसरे से मिल रहे हैं और राहुल गांधी श्भारत जोड़ो यात्राश पर निकल पड़े हैं। देश में यह आदर्श स्थिति हो सकती है जब पक्ष और विपक्ष यूं कमर कस कर तैयार रहेंय लेकिन क्या वाकई ऐसा है? देश में हालात पहले भी विकट रहे हैं तब नीतीश कुमार के राजनीतिक पुरखों ने कौन सी भूमिका ली थी और क्या वर्तमान विपक्ष भी उसी दिशा में है, जानना दिलचस्प होगा।भारत जोड़ो यात्रा को लेकर मीडिया हर वक्त उस ढीली गेंद का इंतजार करता है जब वह छक्का जड़ अपने आकाओं को खुश कर सके।

आलोचना के लिए सत्ता पक्ष के पास पाकिस्तान भेज देने से ज्यादा नया कुछ नहीं है। उसे अपनी टिप्पणियों में और नया होना होगा। एक पूर्व मंत्री फिर अवतरित हो गए हैं। वे राहुल गांधी से पूछ रहे हैं कि आपने उड़ी के बाद सर्जिकल स्ट्राइक का सबूत मांगा था, बालाकोट की गवाही मांगी थी और कोविड महामारी के समय जब प्रधानमंत्री मोदी देश को एक कर रहे थे तब पूछा था कि थाली पीटने से क्या होगा? जाहिर है कि सत्तापक्ष तिलमिलाया हुआ है लेकिन विरोध की आड़ और अदा वही पुरानी है। नएपन की दरकार यहां भी है क्योंकि भारत विविधताओं से भरा देश है और इस विविधता वाले भारत में हर आठ कोस पर भाषा और पहनावा बदल जाता है। भारत जोड़ो यात्रा किस कदर जरूरी है, इसकी तसदीक यात्रा के आसपास हो रही घटनाएं भी कर रही हैं। मंगलवार को अभिनेता रणबीर कपूर और आलिया भट्ट को उज्जैन में महाकाल के दर्शन से वंचित कर दिया जाता है। बजरंग दल को यह बात पसंद नहीं आई कि कभी किसी समय रणबीर कपूर ने कहा था कि मटन, पाया, बीफ, रेड मीट उन्हें बहुत पसंद है। हालात ऐसे ही हैं कि कोई भी संगठन किसी भी बात पर किसी के भी बुनियादी हकध छीनने लगता है। आप यह मत खाओ, आप इनसे शादी मत करो, आप ऐसे कपड़े मत पहनो, आप ऐसा मत लिखो! यानी वे मौलिक हकध जो हमें हमारे संविधान से मिले हैं उन्हें लगातार छीनने की कोशिश। यह हौसला आखिर कहां पनपता है और इसे हवा कौन दे रहा है, यह अब जनता समझ चुकी है। विविधताओं के भारत में सबको एक जैसा बनाने के इस गैर संवैधानिक काम को करने वाले कभी किसी दौर में अपराधी माने जाते थे लेकिन अब ये सब हरकतें संगठन करते हैं, नियोजित तरीके से और सरकार का उन पर हाथ होता है। त्रस्त और अकेली जनता बेसब्री से चाह रही है कि कोई उनकी दबी आवाज को जुबां दे, उनके कामकाज के पुराने दिन लौटाए और यह तोड़–फोड़ की सियासत बंद करे। बिल्कुल जरूरी नहीं कि भारत जोड़ो यात्रा हालात को पूरी तरह बदल पाए लेकिन सहमे हुए भारत को आवाज जरूर मिल सकती है। राहुल गांधी को भी हर बार श्हम दो हमारे दोश वाले भाषणों से अलग हटकर आवाम की आवाज बनना होगा। ऐसा नहीं होना चाहिए कि उनमें हर बार एक ही तरह की बात हो। सत्तापक्ष कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा को राहुल की श्रीलॉन्चिंगश का नाम दे रहा है। जवाब में एक तजुर्बेकार पत्रकार कहते हैं कि रीलॉन्चिंग तो लालकृष्ण आडवाणी की रथयात्रा से हुई थी और आज उसी का लुत्फ पार्टी उठा रही है।

नरेंद्र मोदी सरकार की ध्रुवीकरण और लगातार विपक्ष को निशाने पर लेने की रणनीति पर चलती सरकार से पत्रकार, खास तौर से वे जो गोदी मीडिया को अलविदा कह चुके हैं, बहुत खफा हैं। इस यात्रा से बहुत अपेक्षा भी कर रहे हैं। श्राहुल गांधी पार्टी का अध्यक्ष बनना चाहते हैंश के जवाब में कहा गया कि राहुल गांधी देश का अध्यक्ष बनना चाहते हैं। यह सच है कि भारत की आवाज बन सके ऐसे किसी नेता की जरूरत अभी ज्यादा है। देश उन युवाओं का नहीं है जो खुद को हुड़दंगियों से जोड़कर देख सकें। सच यह भी है कि बेरोजगारी और लगातार बढ़ती महंगाई के चलते युवा डिप्रेशन और तकलीफ से घिर रहा है। सेना में केवल चार साल की नौकरी वाली अग्निपथ को नेपाल ने भी नकार दिया है। देश से बाहर इस योजना का यह लिटमस परीक्षण था जिसमें सरकार सफल नहीं हो सकी है। युवाओं को अग्निपथ पर चलाकर किस कर्तव्य पर चलने की बात केंद्र कर रहा है। रास्तों और शहरों के नाम बदलने के स्ट्रोक्स अब पुराने हो चले हैं इससे जनता खुशहाल नहीं हो पाती। कर्तव्य की अपेक्षा अगर जनता से है तो शायद उसके सब्र का बांध अब टूट चुका है। वह अपने हिस्से का बहुत कुछ दे चुकी है, बारी अब सरकार की है उसे राहत देने की। देश में विभाजन और ध्रुवीकरण की आग कभी ठंडी न पड़े और इस पर हरेक को अब शक करना चाहिए कि राजनीतिक दल अपना उल्लू सीधा करते रह सकेंगे। हरिशंकर परसाईजी की पैनी लेखनी से ऐसे विभाजनकारी बच नहीं सके हैं। वे लिखते हैं– जब धर्मशास्त्र पर अर्थशास्त्र चढ़कर बैठ जाता है तब गौ रक्षा करने वाले जूतों की दुकान खोल लेते हैं।श इधर जब कभी सरकारों की सांसें अटकती हैं तो ये भी बस श्फ्रिंज एलिमेंटश कहकर अपना पल्ला झाड़ लेती हैं। ऐसे में देश और उसकी जनता अंदर ही अंदर एक खालीपन से भर रही है। भ्रष्टाचार और आचरण उन्हें चीर रहा है। नाउम्मीदी बढ़ती जा रही है। एक दूसरे का साथ देने में लोग डर रहे हैं और डर यह भी है कि वक्त आने पर कौन हमारा साथ देगा, कर लो आज मौका है! यह भावना समाज को भीतर से खोखला कर रही है।**– वर्षा भम्भाणी मिर्जा**

## आज का राशिफल

**मेष :–** उच्चस्तरीय लोगों के सानिध्य से मनोबल मजबूत होगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। शासन–सत्ता से जुड़े लोगों को सफलता मिलेगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी।

**बृषभ :–** अत्याधिक कर्जभार से मन परेशान होगा। कुछ नयी आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी। रोजगार में व्यस्तता संभव। अत्याधिक पारिवारिक जिम्मेदारियां मन को बोझिल करेंगी।

**मिथुन :–** महत्वपूर्ण दायित्वों की समयानुकूल पूर्ति हेतु मन चिंतित होगा। नई दायित्व अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगे। कानूनी मामलों में कठिनाइयां संभव। तामसिक विचारें पर नियंतण्ररखें।

**कर्क :–** नये संबंधों के साथ आपकी सहज घुलसशीलता प्रशंसनीय है। कायरें को समयानुकूल पूर्ण करने का प्रयत्न करें। बिना वजह दूसरों की अलोचना न करें। आलस्य कतई न करें।

**सिंह :–** सगे–संबंधियों के सहयोग से उत्साह का संचार होगा। किसी रचनात्मक कार्य के प्रति रुचि पैदा होगी। पुराने संबंधों के भावनात्मक स्मरण से मन भावुक होगा। राजकीय क्षेत्र कुछ परिवर्तन के आसार बनेंगे।

**कन्या :–** महत्वपूर्ण कार्य के प्रति समुचित साधन व्यवस्था के लिए मन केंद्रित होगा। नई महत्वाकांक्षी योजनाएं बनेंगी किंतु समुचित साधन न होने से पूर्ति में अवरोध होगा। पुराने संबंध के प्रति प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

**तुला :–** अच्छी कल्पनाएं मन पर प्रभावी होंगी परन्तु अपने मन को लक्ष्य से न भटकने दें। व्यावसायिक क्षेत्र में संबंधों का लाभ उठाएंगे। शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में प्रयत्न तीव्र होगा।

**वृश्चिक :–** कार्य–पेशे में कुछ नई तब्दीली रुचिकर लगेगी। वर्तमान स्थिति को देखते हुए भविष्य की चिंता बढ़ेगी फिर भी कुछ नये आसार आत्मबल में वृद्धि करेंगे। घर में खुशहाली रहेगी।

**धनु :–** आलस्य निजी महत्वपूर्ण दावित्वों की पूर्ति में बाधक होगा। मानसिक अवसाद व कार्य–पेशे में अरुचि से आर्थिक संकट की आशंका बनेगी। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

**मकर :–** आर्थिक सबलता हेतु मन नई युक्तियों पर केंद्रित होगा। कोई अचल सम्पत्ति संबंधी तनाव मन को चिंतित करेगा। पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। जरूरी कायरे में कतई देरी न करें।

**कुंभ :–** पारिवारिक दायित्वों की समय से पूर्ति हेतु प्रयत्नशील होंगे। अच्छी सोच का लाभ प्राप्त करेंगे। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन में चिंता होगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य के प्रति चिंताएं समाप्त होंगी।

**मीन :–** समय व स्थिति के साथ अपने स्वभाव में थोड़ा लचीलापन लाने का प्रयास करें। क्षमता से अधिक कार्यों का बोझ से बोझिल होंगे। शिक्षा–प्रतियोगिता के क्षेत्र मे सफलताएं मिलेंगी।

# डॉक्टरों को समाज और लोगों की चिंताओं को पहचानना होगा

चिकित्सा एक पेशा नहीं बल्कि एक जुनून है। इसकी गरिमा को बनाए रखने और लोगों की स्वास्थ्य देखभाल के प्रति प्रतिबद्धता सुनिश्चित करने के लिए वर्ल्ड मेडिकल एसोसिएशन ने जिनेवा की घोषणा को सितंबर 1948 में अपनी दूसरी महासभा में अपनाया था। यह घोषणा मानवीय लक्ष्यों के लिए एक चिकित्सक के समर्पण पर प्रकाश डालती है। जर्मनी के कब्जे वाले यूरोप में किए गए चिकित्सा अपराधों के मद्देनजर यह घोषणा विशेष रूप से महत्वपूर्ण थी। इस घोषणा के अनुसार डॉक्टर प्रतिबद्ध है और घोषणा करता है, श्मैं मानवता की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित करने की शपथ लेता हूं, मैं मानव जीवन के लिए अत्यंत सम्मान बनाए रखूंगा, मैं उम्र, बीमारी या विकलांगता, पंथ, जातीय मूल, लिंग, राष्ट्रीयता, राजनीतिक संबद्धता, नस्ल, यौन अभिविन्यास, सामाजिक स्थिति या किसी अन्य कारक के विचारों को मेरे कर्तव्य और मेरे रोगी के बीच हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं दूंगा।चिकित्सा कर्मियों को हर कदम पर समाज और सामाजिक सरोकारों के साथ अपनी पहचान बनानी होगी। रुडोल्फ विरचो, जिन्हें पैथोलॉजी का जनक माना जाता है, ने जोर देकर कहा कि यदि डॉक्टरों को अपने महान कार्य को पूरा करना है, तो उसे राजनीतिक और सामाजिक जीवन में प्रवेश करना होगा।श वह इस अवधारणा में विश्वास करते थे कि श्चिकित्सा एक सामाजिक विज्ञान है, और यह कि चिकित्सक गरीबों की ओर से काम करने के लिए जिम्मेदार हैं। इसका मतलब है कि चिकित्सक को समाज के विभिन्न मुद्दों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। मानव शरीर की सामान्य संरचना और कार्यप्रणाली के अध्ययन के अलावा, शरीर रचना विज्ञान, शरीर विज्ञान, चिकित्सा में डॉक्टरों को रोग के कारणों और शरीर की संरचना और कार्यप्रणाली में उत्पन्न असामान्यता के कारकों को सीखना पड़ता है। इस विस्तृत अध्ययन के बाद ही कोई रोगी के उपचार की कला सीखता है। हालांकि बीमारी की रोकथाम पूरे पाठ्यक्रम का मूल है। इसलिए चिकित्सा में किसी को स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारकों के बारे में सीखना होगा जिसमें आर्थिक स्थिरता, रोजगार, आवास, गरीबी, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा, पड़ोस का वातावरण, स्वास्थ्य देखभाल आदि शामिल हैं। बुनियादी

जरूरतें जैसे स्वच्छ हवा, स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त सीवरेज सुविधाएं हैं। अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है। यदि जिनेवा घोषणा को आदर्श रूप से व्यवहार में लाना है, तो एक चिकित्सक को इन मुद्दों पर संलग्न होना चाहिए। यह चिकित्सा पेशे का श्रेय है कि इसने कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ आवाज उठाई और लोगों को धूम्रपान और शराब के हानिकारक प्रभावों के बारे में बताया। कई डॉक्टर बीमारों और कमजोरों की सेवा के लिए संघर्ष के क्षेत्रों में गहराई तक जाकर अपनी जान जोखिम में डालते हैं। कई डॉक्टरों ने प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं में भी लोगों को सेवाएं प्रदान की हैं। मरीजों का इलाज करते समय डॉक्टर सीखते हैं कि लोगों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए शांति और स्थिरता सबसे महत्वपूर्ण है। हिंसा की रोकथाम एक सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा बन गया है। इसकी रोकथाम के लिए वैज्ञानिक रूप से बताए गए कदमों को रेखांकित किया गया है क्योंकि ऐसी स्थिति में स्वास्थ्य सबसे बड़ी आपदा है। परमाणु युद्ध की रोकथाम के लिए अंतरर्राष्ट्रीय चिकित्सकों (आईपीपीएनडब्ल्यू) ने परमाणु युद्ध के जलवायु परिणामों पर वैज्ञानिक अध्ययन किया है और परमाणु हथियारों के पूर्ण उन्मूलन के लिए मुखर रूप से आह्वान किया है। यह परमाणु हथियारों के निषेध (टीपीएनडब्ल्यू) पर संधि पारित करने में सहायक था। दुर्भाग्य से आज दुनिया के बड़े हिस्से में शांति और स्थिरता खतरे में है। विश्व स्तर पर ऐसी ताकतें हैं जो हथियार बेचकर भारी मुनाफा कमाने के इरादे से बाहरी और आंतरिक संघर्ष पैदा करने के लिए तैयार हैं। ऐसी ताकतें हैं जो राजनीतिक लाभ के लिए सांप्रदायिक और जातिगत संघर्ष पैदा करने के लिए बाहर हैं। समाज को इस तरह के खतरे से निजात दिलाने में डॉक्टर प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि हमें ऐसे निहित स्वार्थों द्वारा समाज में प्रचलित लिंग, जाति, धर्म और अन्य पूर्वाग्रहों के आधार पर पूर्वकल्पित विचारों और पूर्वाग्रहों को छोड़ना होगा। यह समझ में आता है कि कई बार डॉक्टरों को दबाव और खतरे की स्थितियों में काम करना पड़ता है, खासकर संघर्ष और सामाजिक अशांति की स्थिति में। लेकिन हमें इन परिस्थितियों से निबटना होगा। भारत में आज हम एक बहुत ही विकट स्थिति का सामना कर रहे हैं। संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए अश्लीलता फैलाने वाली ताकतों द्वारा अप्रचलित विचारों और मिथकों को फैलाया जा रहा है। इनका विरोध करना होगा। एक चिकित्सक के लिए समाज में वैज्ञानिक सोच को मजबूत करना एक महत्वपूर्ण कार्य है। उदाहरण के तौर पर कोविड–19 के इलाज में गोमूत्र और गोबर के इस्तेमाल का कई चिकित्सा संगठनों ने विरोध किया था। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वही संगठन चुप रहे या थाली पीटकर, ताली बजाकर और दीया जलाकर वायरस को रनवे बनाने के लिए कोरस में शामिल हो गए। यह एक डॉक्टर के लिए पूरी तरह से अप्रत्याशित है। गोरखपुर के अस्पताल में ऑक्सीजन की आपूर्ति में खामी का मुद्दा उठाने के लिए झूठे आरोप में फंसाए गए डॉक्टर कफील के पक्ष में कई चिकित्सा संगठन या कर्मी आगे नहीं आए।**– डॉ अरुण मित्रा**

# मिड डे मील पर भारत से सीखे ब्रिटेन

भारतीय अर्थव्यवस्था की चर्चा इन दिनों फिर दुनियाभर में है। पिछले दिनों जैसे ही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) ने बताया कि भारत एक बार फिर दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और उसने 2019 के बाद दोबारा ब्रिटेन को पीछे छोड़ दिया है, सबकी निगाहें भारत और ब्रिटेन की तुलना पर जा टिकीं। श्रीलंका के आर्थिक संकट के बाद दबी जुबान भारत पर भी सवाल उठने लगी थी, लेकिन यहां तो आर्थिक प्रगति ने दूसरी कहानी शुरू कर दी है। जाहिर है कि देश को सुदृढ़ और मजबूत करने के लिए अर्थव्यवस्था का मजबूत होना सबसे ज्यादा जरूरी होता है। जब कोविड के बाद पूरी दुनिया में एक तरह की मंदी देखी जा रही है, तब आर्थिक मोर्चे पर भारत की प्रगति निस्संदेह तारीफ के काबिल है। अब जब भारत अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर ब्रिटेन से आगे है, तो कई पहलुओं पर निगाह चली जाती है। जिस देश ने भारत पर 200 साल से ज्यादा समय तक शासन किया हो, उससे उसकी तुलना होने लगे, तो निश्चित ही इसे भारत की तरक्की से जोड़ कर देखना चाहिए। ब्रिटेन में इन दिनों राजनीतिक उठापटक का दौर है। नये प्रधानमंत्री के कंधे पर अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की मुख्य जिम्मेदारी है। बोरिस जॉनसन के कार्यकाल में अप्रैल 2022 में ब्रिटेन में बिजली और गैस के दाम में 35–50 फीसदी की बढ़ोतरी की गयी थी, जिससे आम लोगों पर भारी बोझ बढ़ा था। बाद में सरकार ने काउंसिल टैक्स में छूट देकर इसे कुछ

कम करने की कोशिश की, लेकिन जब तक लोगों को राहत मिलती, देश में राजनीतिक अस्थिरता का दौर आ गया। अब एक तरफ देश को नया प्रधानमंत्री मिल रहा है, तो दूसरी तरफ ब्रिटेन के लोग महंगाई और जीवनयापन के खर्चे में बढ़ोतरी की वजह से इतने परेशान हैं कि देश के अलग–अलग हिस्सों में 'इनफ इज इनफ' यानी अब बहुत हो चुका जैसे कैंपेन चल रहे हैं। इसके केंद्र में है ब्रिटिश स्कूलों में मिड डे मील योजना। महंगाई के कारण कई स्कूलों ने बच्चों को मुफ्त खाना देने से इनकार कर दिया है। अगर हम इसी योजना की भारत के मिड डे मील योजना से तुलना करें, तो कई बातें साफ हो जाती हैं। जहां ब्रिटेन जैसा समृद्ध देश अपने स्कूली बच्चों को खाना देने में आनाकानी करने लगा है, वहीं भारत में ब्रिटेन की पूरी आबादी के दोगुना बराबर बच्चों को स्कूलों में हर रोज मुफ्त खाना दिया जाता है।भारत सरकार ने मिड डे मील योजना को सफल रखने के लिए हर संभव प्रयास किये हैं और इसके लिए सांसदों को मिलने वाली भोजन सब्सिडी बंद कर दी गयी है। भारतीय संसद में इस सब्सिडी को खत्म कर सालाना 10 करोड़ से ज्यादा रुपये बचाये जा रहे हैं, लेकिन ब्रिटेन के आंकड़े बताते हैं कि वहां के सांसद अपने खाने पर मोटी सब्सिडी लेते हैं। इतना ही नहीं, ब्रिटिश अखबार मिरर यूके में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटिश सांसदों ने पिछले छह सालों में 12 लाख किलो से ज्यादा भोजन फेंक दिया है और वह भी तब जब देश के करीब 20 लाख लोगों को इन दिनों में दोनों वक्त का खाना नसीब नहीं हो रहा है। ब्रिटेन में यह योजना पहली बार तब लागू हुई थी, जब भारत आजाद हुआ था, यानी 1947 में। बीच–बीच में इसे रोका जाता रहा और अस्सी के दशक में ब्रिटिश स्कूलों में मिड डे मील योजना की विधिवत शुरुआत की गयी थी, लेकिन भोजन के नाम पर चिप्स और जंक फूड दिये जाने लगे। समय–समय पर उसका विरोध हुआ, लेकिन योजना चलती रही। साल 2005 के चुनाव में यह एक बड़ा मुद्दा बना और उसके बाद इस योजना में काफी सुधार दिखने लगा। कोविड के दौरान योजना स्थगित रही, लेकिन जब स्कूल खुले, तो यह उस तरह से सुचारु रुप से नहीं चल पाया, जैसे इसे चलना चाहिए। फिर जब कई स्कूल इसके बदले पैसे मांगने लगे, लोगों का विरोध सड़क पर आ गया। कोरोना काल में सबसे पहले तत्कालीन ब्रिटिश चांसलर (वित्तमंत्री) ऋषि सुनक ने इस योजना का विरोध किया था। आम तौर पर मददगार छवि के सुनक के इस कदम पर उनके इलाके का एक रेस्तरां इतना नाराज हुआ कि उसने सुनक को आजीवन प्रतिबंधित करने की घोषणा कर दी। जर्मनी से 18वीं शताब्दी के आखिरी दशक में शुरु हुई यह योजना आज कई देशों की शिक्षा नीति का मुख्य अंग है। ऐसे में ब्रिटेन जैसे शक्तिशाली देश में अचानक कुछ स्कूलों में इसे बंद करने का विरोध होना लाजिमी है, लेकिन उससे ज्यादा जरूरी है इस योजना की जरूरत को समझना और इसे लागू करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति होना। तमाम विरोधाभासों और बाधाओं के बावजूद भारत में यह योजना दशकों से सुचारु रूप से चल रही है। इसकी चर्चा हमने इसलिए की, क्योंकि जब भी किसी देश की अर्थव्यवस्था में सुधार की बात होती है, तो सबसे पहले नजर उन योजनाओं पर जाती है, जिनमें आम लोगों को सुविधाएं मुफ्त मुहैया करायी जाती हैं। भारत में इन दिनों सदन से लेकर अदालत तक रेवड़ी कल्चर पर चर्चा है। तो क्या स्कूलों में बच्चों को मुफ्त खाना देना रेवड़ी कल्चर के अंतर्गत आता है, और क्या ब्रिटेन में ऐसा ही मान कर स्कूलों ने इसे बंद करने का प्रयास किया है और सरकार खामोश है? इस मामले से पर्दा जल्दी ही उठेगा, जब नये प्रधानमंत्री का सुचारु रूप से कार्यकाल शुरू होगा और नये वित्तमंत्री को ऐसी तमाम योजनाओं को नये सिरे से एक बार फिर समझना होगा। ऐसी स्थिति में इतना तो तय है कि मिड डे मील जैसी योजनाओं को समझने के लिए ब्रिटेन के पास भारत जैसा मजबूत उदाहरण है, जहां रेवड़ी कल्चर पर अक्सर चर्चा होती है, लेकिन कोई भी मिड डे मील योजना को उस खांचे में नहीं रखता, क्योंकि राजनेताओं से लेकर जनता तक और नौकरशाहों से लेकर अदालत तक सबको अहसास है कि दो जून की रोटी की जद्दोजहद कर रही अवाम के घरों से बच्चों को अगर शिक्षा के लिए प्रेरित करना है, तो उन्हें इस तरह की सुविधाएं मुहैया करानी होगी। ब्रिटेन में इस योजना के ठीक से नहीं चल पाने का हो रहा कड़ा विरोध यह भी साबित करता है कि देश की आर्थिक स्थिति को बेहतर करने के लिए और अधिक प्रयास किये जाने की जरूरत है।**–अनुरंजन झा**

# राजनीति व अर्थव्यवस्था में घुन है मुफ्तखोरी

दिल्ली में बड़ी संख्या में प्रवासी भी रहते हैं, जो रोजगार के लिए दूसरे राज्यों से आकर दिल्ली में बसे हुए हैं। दिल्ली में ऐसे प्रवासी मजदूरों की संख्या 20 लाख से कम नहीं है। जो मजदूर अपने परिवार को साथ लाते हैं, वे भी दयनीय अवस्था में रह रहे हैं। उनके परिवार के लिए स्कूल–कॉलेजों की जरूरत है। साथ ही, बेहतर जल–मल व्यवस्था और स्वास्थ्य सुविधाओं तथा सड़कों, पुलों आदि की आवश्यकता है, लेकिन इन कार्यों के लिए भारी खर्च की जरूरत होती है। देखा जा रहा है कि खर्च के अभाव में दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार विकास और रखरखाव के लिए भी धन नहीं जुटा पा रही है। साल 2015 में सत्ता संभालने के बाद से दिल्ली सरकार कोई नया स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, फ्लाईओवर आदि बना नहीं पायी। दिल्ली में प्रति व्यक्ति आय व राजस्व शेष भारत से काफी अधिक है और लगातार बढ़ रहा है, लेकिन उस राजस्व को मुफ्त बिजली, पानी और यातायात में खर्च कर देने के कारण आवश्यक नागरिक सुविधाओं हेतु धना का अभाव होता जा रहा है। दिल्ली का कुल राजस्व 2021–22 के लिए 53070 करोड़ रुपये अनुमानित है, जो सभी राज्यों के राजस्व का तीन प्रतिशत है। बढ़ते राजस्व के साथ–साथ दिल्ली सरकार का मुफ्त बिजली, पानी, यातायात पर खर्च भी बढ़ता गया। मुफ्त बिजली पर खर्च 2015–16 में 1639 करोड़ रुपये था, जो 2021–22 में 2968 करोड़ रुपये पहुंच गया है। वर्ष 2022–23 के लिए विद्युत विभाग ने दिल्ली सरकार से बिजली सब्सिडी हेतु 3200 करोड़ रुपये की मांग की है।

समझा जा सकता है कि दिल्ली सरकार द्वारा बिजली मुफ्त करने के नाम पर बजट पर बोझ बढ़ता जा रहा है। पानी के बिल को शून्य करने की कवायद में दिल्ली जल बोर्ड का घाटा और कर्ज दोनों बढ़ रहे हैं। केजरीवाल सरकार के पहले तीन साल में बोर्ड का घाटा 2015–16 में 220।19 करोड़ से बढ़ता हुआ 2018–19 में 663 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका था।

दिल्ली सरकार ने पिछले पांच वर्षों में जल बोर्ड को 41000 करोड़ रुपये ऋण के रूप में दिये हैं। जल बोर्ड की बदतर स्थिति का अंदाजा धीमे विकास कार्यों और लचर जल व्यवस्था सेलगाया जा सकता है। विपक्षी दल जल बोर्ड में कथित भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाते रहे हैं। महिलाओं को दिल्ली परिवहन निगम की बसों में मुफ्त यात्रा एक अन्य मुफ्तखोरी वाली स्कीम है। सरकार द्वारा लोगों को मुफ्त की स्कीमों से हजारों करोड़ रुपये का घाटा होता है। स्वाभाविक है कि सीमित संसाधनों के चलते इस मुफ्तखोरी की नीति से सरकारी राजस्व पर दबाव बनता है और कई आवश्यक खर्चों को टालना पड़ता है। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली को 20 नये कॉलेज देने, फ्री वाई–फाई उपलब्ध कराने, 20000 सार्वजनिक टॉयलेट बनवाने, महिला सुरक्षा फोर्स बनाने, तीन लाख सीसीटीवी कैमरे लगाने, स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, आठ लाख नौकरियों के सश्जन, दिल्ली कौशल मिशन द्वारा हर साल एक लाख युवकों को कौशल प्रशिक्षण समेत 69 ऐसे वादे किये थे, जो या तो वादे रह गये या जिनमें प्रगति अत्यंत धीमी रही। इन वादों को पूरा न कर पाने के पीछे मुख्य कारण धनाभाव है। गौरतलब है कि इस सरकार से पहले 1999–2000 और 2014–15 के बीच 15 सालों में पूंजीगत व्यय 510।5 करोड़ रुपये से बढ़ कर 7430 करोड़ रुपये हो गया (प्रति वर्ष वश्द्धि 19।6 प्रतिशत रही), जो आप सरकार के पहले पांच साल में 7430 करोड़ रुपये से बढ़ कर मुश्किल से 11549 करोड़ रुपये ही पहुंची (वार्षिक वश्द्धि मात्र 9।2 प्रतिशत रह गयी)। यदि कहा जाए कि सरकारी खजाने से पैसा देकर बिजली 'गरीबों' के लिए मुफ्त या कम कीमत पर उपलब्ध करायी जा रही है, तो यह सही नहीं होगा। वर्ष 2021–22 में दिल्ली में जहां चालू कीमतों पर प्रति व्यक्ति आय 4,01,982 रुपये प्रति वर्ष है, वहां 54।5 लाख बिजली उपभोक्ताओं में से 43।2 लाख लोगों को या तो मुफ्त या आधी कीमतों पर बिजली दी जा रही है। इससे नागरिक सुविधाएं प्रभावित हो रही हैं और कर्ज बढ़ रहा है, तो उसे औचित्यपूर्ण नहीं ठहराया जा सकता। यही नहीं, 5।3 लाख घरों को प्रतिमाह 20 हजार लीटर पानी भी मुफ्त दिया जा रहा है।दिल्ली में मुफ्त बिजली, पानी के लालच से राजनीतिक लाभ उठाने वाली आम आदमी पार्टी ने अब दूसरे राज्यों में भी ऐसा लालच देना शुरू किया है। समझना होगा कि मुफ्तखोरी की यह राजनीति देश की अर्थव्यवस्था और शासन व्यवस्था के लिए अमंगलकारी है, जिसे आम सहमति से रोकने की जरूरत है।

# केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर चक मार्गों के निर्माण की प्रक्रिया हुती तेज

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के गांवों के अतिक्रमित चक मार्गों को अतिक्रमण से मुक्त कराकर उनका निर्माण मनरेगा से कराते जाने के निर्देशो पर त्वरित गति से कार्यवाही की जा रही है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि अतिक्रमित चक मार्गों के खाली हो जाने से जहां गांवों में रास्तों को लेकर आपसी विवादों में विराम लगेगा, वहीं किसानों को कृषि कार्यों हेतु अपने खेतों में आने–जाने में सुगमता होगी,फलतरूउनकी फसल उत्पादकता पर अनुकूल प्रभाव पड़ेगा,यही नहीं बाढ़, वर्षा या अन्य कारणो से क्षतिग्रस्त चकमार्ग भी इस मुहिम के तहत मजबूत बन जायेंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में सेक्टर चकमार्गों, तालाबों व सार्वजनिक भूमि के अतिक्रमण के कारण आपसी रंजिश व मारपीट की समस्याएं उत्पन्न होती है, जिससे कृषि की उत्पादकता को कम करके ग्रामीण क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित होती है। ग्रामीण परिवेश में इन समस्याओं के निराकरण हेतु आधारभूत ढांचों के विकास एवं विवादों के समाधान हेतु चक मार्गो का निर्माण कराया जाना अतिआवश्यक है। इस कार्य को मुकम्मल अन्जाम देने हेतु ग्राम्य विकास आयुक्त जी एस प्रियदर्शी द्वारा सभी जिला अधिकारियों को व्यापक दिशा निर्देश दिए गए हैं। जारी दिशा निर्देशों में श्री प्रियदर्शी ने कहा है कि चक मार्ग निर्माण हेतु राजस्व एवं चकबन्दी के सहयोग से भूमि एवं राजस्व अभिलेखों में दर्ज सेक्टर मार्गो, चकरोडों को वश्हद रूप से अभियान स्वरूप पैमाइश, चिन्हांकन किया जाए। चकबन्दी में कब्जा परिवर्तन की कार्यवाही पूर्ण होते ही वहाँ के चकरोड भी प्राथमिकता पर बनवाने का कार्य किया जाए। चिन्हांकित कार्यो को मनरेगा योजनान्तर्गत निर्धारित प्राविधानों के अनुसार कार्ययोजना में सम्मिलित करते हुए नियमानुसार अभियान चलाकर चिन्हिंत चकमार्गो पर कार्य प्रारम्भ कराया जाए। नव निर्मित सड़कों के किनारों वश्हद स्तर पर वश्क्षारोपण की कार्यवाही की जाए, जिससे पर्यावरण में सुधार हो सकें। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि चक मार्ग निर्माण हेतु संबधित विभागों, आम जनमानस व अन्य स्टेक होल्डर्स को प्रोत्साहित कर यथावश्यक सहयोग लिया जाए।– आई०जी०आर०एस० व संपूर्ण समाधान दिवस से आच्छादित प्रकरण तथा चकबंदी प्रक्रिया से बाहर जा रही ग्राम पंचायतों में चिन्हित सार्वजनिक स्थलों (यथा– चकरोड, तालाब आदि) का सर्वोच्च प्राथमिकता पर अपेक्षित स्वरूप सश्जितधनिर्मित कर दिया जाए।

## लखनऊ जिला अंडर-23 एथलेटिक्स चौंपियनशिप 12 सितंबर को

**लखनऊ।** लखनऊ जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के तत्वावधान में 12 सितंबर को लखनऊ जिला अंडर–23 पुरुष व महिला एथलेटिक्स चौंपियनशिप केडी सिंह बाबू स्टेडियम में होगी। लखनऊ जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव बीआर वरुण के अनुसार चौंपियनशिप में भाग लेने के इच्छुक एथलीटों को की उम्र एक नवंबर 1999 से 31 अक्टूबर 2002 के मध्य होनी चाहिए। उन्हें प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए अपना आधारकार्ड लाना होगा। लखनऊ जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव बीआर वरुण ने बताया कि इच्छुक एथलीटों को आयोजन स्थल पर सुबह 8 बजे बजे संपर्क करना होगा। उन्होंने बताया कि इस चौंपियनशिप के माध्यम से से चयनित लखनऊ जिला टीम आगामी 15 व 16 सितंबर को गोरखपुर में होने वाली यूपी स्टेट अंडर–23 पुरुष व महिला एथलेटिक्स चौंपियनशिप में भाग लेगी। चौंपियनशिप के बारे में अधिक जानकारी के लिए बीआर वरुण (9415027942) से संपर्क कर सकते है।

# अखिलेश के बयान पर मायावती के भतीजे का पलटवार, बोले, खुद तो एसी कमरे में सोते हो

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**लखनऊ।** समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) प्रमुख मायावती पर भाजपा के इशारे पर काम करने के आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा कि वो अपनी ही जेल में कैद हैं और जेलर दिल्ली में बैठा हुआ है। इसे लेकर बसपा प्रमुख मायावती के भतीजे व पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद ने अखिलेश यादव पर पलटवार किया है। आकाश आनंद ने अखिलेश पर तंज कसते कहा कि जेल में कौन कैद है, कौन जेलर हैकृ ये बात वो कह रहे हैं, जिनके चाचा और रामपुर वाले अंकल आजतक ये नहीं समझ पाए कि वो एसी कमरे से बाहर क्यों नहीं निकलते? जिनके कार्यकर्ता ये पूछने की हिम्मत नहीं कर सकते कि वे दो बजे सोकर क्यों उठते हैं, वो अखिलेश यादव न जाने किस भ्रम में हैं। बता दें कि बीते दिन अखिलेश यादव ने मायावती पर निशाना साध कहा था कि मायावती बीजेपी के इशारों पर काम करती हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि अपनी ही जेल में कैद हैं और जेलर दिल्ली में बैठा हुआ है। इसी बात पर भड़के मायावती के भतीजे ने अखिलेश पर पलटवार करते हुए सोशल मीडिया पर लगातार तीन ट्वीट किए। इसके साथ ही आकाश आनंद ने पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ अखिलेश यादव की मुलाकात कुछ तस्वीरें भी साझा की है। आकाश आनंद ने आगे कहा कि इन तस्वीरों में आपके हाव–भाव सारी कहानी खुल के बयां कर रहे हैं। कैसी बचकानी बातें करने लगे हैं, अखिलेश जी आप आज कल। अगर बीजेपी के कहने पर बीएसपी चल रही होती तो फिर साल 2019 के चुनाव में बीएसपी और सपा का गठबंधन किसके कहने पर हुआ। वहीं, राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू को मायावती ने समर्थन किया था। इस बात को लेकर अखिलेश यादव ने मायावती पर निशाना साधा था। इस बात को भी लपेटे में लेते हुए उन्होंने कहा कि बीएसपी सिर्फ एक दल ही नहीं बल्कि एक मिशन है।

## संक्षिप्त खबरे

### उत्तर प्रदेश महोत्सव का पोस्टर रिलीज

**लखनऊ।** सश्जन फाउंडेशन द्वारा आयोजित किये जा रहे 7वें उत्तर प्रदेश महोत्सव का पोस्टर शुक्रवार को रिलीज किया गया। ये पोस्टर मंत्री राकेश सचान द्वारा उनके कैम्प कार्यालय में रिलीज किया गया। महोत्सव आठ अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2022 तक कथा मैदान, बंगला बाजार चौराहे के पास, आशियाना में होगा। इस अवसर पर सश्जन फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ अमित सक्सेना, आयोजन समिति के सदस्य अजीत कुशवाह, रोहित कश्यप एवं शैलेंद्र मोहन उपस्थित रहे।

### योगी ने संतकबीरनगर में मूर्ति विसर्जन के दौरान हुए हादसे का लिया संज्ञान

**लखनऊ।** प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संतकबीरनगर में मूर्ति विसर्जन के दौरान हुए हादसे का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही जिलाधिकारी और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर तत्काल पहुंचने और राहत–बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

### चाकू गोदकर युवक का मर्डर,पुलिस ने 3 को हिरासत में लिया

**लखनऊ।** सरोजिनी नगर के दरोगा खेड़ा स्थित छोटी नहर के पास शुक्रवार सुबह एक युवक का शव मिला। शव पर चाकू के वार के निशान थे। परिजनों ने हत्या के पीछे उसके ही बहनोई का हाथ बताया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। मुल्लाही खेड़ा सोयायटी रोड निवासी वीरेंद्र कुमार के 25 वर्षीय बेटे रोहित की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। वह परिवार के साथ सरोज कुमार पाल के मकान में किराए पर रहते हैं। परिजनों के मुताबिक, गुरुवार देर रात किसी का फोन आने के बाद रोहित घर से निकला था। जिसके बाद नहीं लौटा। शुक्रवार सुबह आसपास के लोगों ने दरोगा खेड़ा स्थित छोटी नहर में शव देखकर पुलिस को सूचना दी। शिनाख्त होने पर पुलिस ने घर पर सूचना दी। इंस्पेक्टर का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। इसके बाद कार्रवाई की जाएगी। संतोष कुमार आर्य के मुताबिक, घटनास्थल से गुजर रहे एक राहगीर ने रोहित से अंत समय में बातचीत करके मोबाइल से रिकॉर्डिंग भी की है। जिसमें रोहित ने बताया कि उसको जीजा ने मारा है। फिलहाल मृतक के पिता द्वारा तहरीर दी गई है। मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस घटना की जानकारी के बाद आरोपी और उससे दो साथियों से पूछताछ कर रही है। साथ ही घटना स्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे है। जिससे हत्या में शामिल लोगों के विषय में सही जानकारी हो सके।

### ताइक्वाण्डो चैम्पियनशिप में सी.एम.एस. छात्रों ने जीते दो गोल्ड मैडल

**लखनऊ।** सिटी मोन्टेसरी स्कूल, चौक कैम्पस के प्रतिभाशाली छात्रों हर्षिता यादव एवं हमजा सिद्दीकी ने 18वीं डिस्ट्रिक्ट इण्टर–स्कूल ताइक्वाण्डो चैम्पियनशिप में दो गोल्ड मेडल अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। प्रतियोगिता में हर्षिता यादव ने 47.5 किलोग्राम भारवर्ग में गोल्ड मेडल जीता है जबकि हमजा सिद्दीकी ने 55.5 किलोग्राम भारवर्ग में गोल्ड मेडल जीता। सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गॉधी ने विद्यालय के इन दोनों होनहार छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की है। यह जानकारी सी.एम.एस. के मुख्य जन–सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने दी है। श्री शर्मा ने बताया कि इस चैम्पियनशिप में लखनऊ के विभिन्न विद्यालयों के छात्र खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर ताईक्वाण्डो प्रतिभा का जोरदार प्रदर्शन किया तथापि कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सी.एम.एस. के इन प्रतिभाशाली छात्रों ने अपनी खेल प्रतिभा, चुस्ती–फूर्ती, कौशल तथा दमखम के बलबूते गोल्ड मैडल अर्जित कर राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के संकेत दिये है। श्री शर्मा ने बताया कि सी.एम.एस. छात्र न सिर्फ शैक्षिक क्षेत्र में अपितु खेलों व समाज के अन्य बहुतेरे क्षेत्रों में भी विद्यालय का नाम राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं क्योंकि सी.एम.एस. अपने छात्रों के बौद्धिक विकास के साथ उन्हें खेलों व अन्य सामाजिक क्षेत्रों के लिए भी विशेष रूप से तैयार करने में पूरे मनोयोग से संलग्न है।

### पत्रकार सिद्दीकी कप्पन को सुप्रीम कोर्ट ने दी जमानत, 23 महीने बाद जेल से होंगे रिहा

**लखनऊ।** पत्रकार सिद्दीकी कप्पन को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी है। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने करीब 23 महीने बाद उनकी जमानत याचिका मंजूर कर ली। सिद्दिकी कप्पन को पांच अक्तूबर, 2020 को मथुरा से गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले मामले की सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस यूयू ललित व जस्टिस एस. रवीन्द्र भट्ट की पीठ ने उत्तर प्रदेश के गृह विभाग से कप्पन की याचिका पर पांच सितंबर तक जबाव देने को कहा था। दरअसल, हाथरस मामले में हिंसा भड़काने की साजिश रचने के आरोप में सिद्दीकी कप्पन को उत्तर प्रदेश पुलिस ने गिरफ्तार किया था। सिद्दीकी पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की धाराएं लगाई गईं हैं। इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मामले को गंभीर बताते हुए कप्पन की जमानत याचिका को खारिज कर दिया था।

### आइटा पुरुष प्राइजमनी टेनिस टूर्नामेंट 10 सितंबर से'

**लखनऊ।** उन्नाड टेनिस अकादमी के तत्वावधान में आइटा पुरुष प्राइजमनी टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन आगामी 10 से 16 सितंबर तक होगा।

# योगी सरकार का बड़ा आदेश, यूपी के सभी सरकारी अस्पतालों का नाम उर्दू में भी लिखा जाएगा

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**लखनऊ।** यूपी की योगी सरकार ने सरकारी अस्पतालों के नाम अब हिंदी के साथ–साथ उर्दू में भी लिखे जाने के अहम आदेश जारी किया है। राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में उर्दू में भी साइनबोर्ड और नेमप्लेट लिखे जाएंगे। इस पर चर्चा शुरू हो गई है। उन्नाव निवासी मोहम्मद हारून की एक शिकायत के बाद यह फैसला लिया गया है। जारी आदेश में साफ किया गया है कि प्रदेश में अब हिंदी के साथ उर्दू में भी अस्पतालों के नाम लिखे जाएंगे। सभी जिला अस्पतालों और सीएचसी– पीएचसी के भवनों के नाम हिंदी के साथ उर्दू में भी होंगे. स्वास्थ्य निदेशक की ओर से इस संबंध में सभी सीएमओ को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। सरकार की ओर से जारी आदेश में भवनों के नाम के साथ–साथ चिकित्सकों और कर्मचारियों के नाम और पदनाम भी हिंदी के साथ उर्दू में भी लिखने के निर्देश दिए गए हैं। अब उत्तर प्रदेश के सभी 167 सरकारी जिला अस्पतालों, 873 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, 2934 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का नाम हिंदी के साथ–साथ उर्दू में भी लिखा जाएगा। दरअसल यूपी ने यूपी राजभाषा (संशोधन) अधिनियम, 1989 के माध्यम से दूसरी भाषा के रूप में उर्दू को अपनाया था, जिसने यूपी राजभाषा अधिनियम, 1951 में धारा 3 को जोड़ा था। हारून ने अपनी शिकायत में कहा था कि कई सरकारी विभाग राज्य की दूसरी आधिकारिक भाषा होने के बावजूद साइनेज पर उर्दू को छोड़ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग सहित कई सरकारी विभाग सरकारी आदेशों का पालन नहीं कर रहे हैं।

## माध्यमिक शिक्षणेत्तर संघ ने शिक्षणेत्तर कर्मियों के लम्बित प्रकरणों को लेकर दिया धरना

**लखनऊ।** माध्यमिक शिक्षणेत्तर संघ (उ.प्र.) ने जनपद के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षणेत्तर कर्मियों के विभिन्न स्तर पर लम्बित प्रकरण को लेकर कार्यालय पर धरना दिया। साथ ही संयुक्त शिक्षा निदेशक लखनऊ मण्डल व जिला विद्यालय निरीक्षक लखनऊ को पत्र लिखकर मांग की हैं। कि लखनऊ क्रिश्चयन इण्टर कालेज का अवरुद्ध वेतन तत्काल भुगतान किया जायें। विभिन्न कालेज कर्मियों के जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में लम्बित ऐरियर बिलों का भुगतान जल्द हो। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में विभागीय कार्यों से आने वाले शिक्षणेत्तर कर्मियों के वाहन पार्किंग की उचित व्यवस्था करने जैसी कई मांग की हैं। इस धरने मे वीरेन्द्र बहादुर संरक्षक, दीपेश श्रीवास्तव जिला मंत्री, महेन्द्र नाथ मण्डल अध्यक्ष,प्यारे लाल उपाध्यक्ष सहित कई लोग मौजूद रहे।

## त्यागी समाज की योगी सरकार को धमकी, कहा, सुनवाई नहीं हुई तो बजा देंगे ईंट से ईंट

**नोएडा।** नोएडा के श्रीकांत त्यागी मामले ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। त्यागी समाज श्रीकांत त्यागी के समर्थन में लगातार प्रदर्शन कर रहा है। ऐसे में एक वेब पोर्टल से बातचीत में त्यागी समाज जिला अध्यक्ष शिवकुमार त्यागी ने कहा, 'अगर श्रीकांत से फर्जी मुकदमें नहीं हटाए गए तो वो सरकार की ईंट से ईंट बजा देंगे।' सहारनपुर में डीएम ऑफिस के सामने त्यागी समाज के बैनर तले त्यागी महासभा का जोरदार प्रदर्शन देखने को मिला। उनका साफ तौर पर यही कहना था कि श्रीकांत त्यागी और उसके परिवार के साथ अन्याय हो रहा है। त्यागी समाज की ओर से ये बात भी बताई गई कि त्यागी परिवार पर हो रहे उत्पीड़न को रोकने के लिए पहले भी त्यागी समाज ने जिलाधिकारी के माध्यम से 10 अगस्त को मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन भिजवाया गया था, लेकिन उस ज्ञापन पर भी कोई ध्यान नहीं दिया गया। इसकी वजह से श्रीकांत त्यागी का पूरा परिवार अभी भी तकलीफ झेलने को विवश है। अपने आंदोलन के दौरान त्यागी समाज काफी उग्र दिखाई दिया। त्यागी समाज का कहना था कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वो सरकार की ईंट से ईंट बजा देंगे। वहीं अर्जुन सिंह त्यागी ने मीडिया से बातचीत में बताया, 'हम लोग धरने पर इसलिए बैठे हैं कि श्रीकांत त्यागी पर गैंग्स्टर लगाया गया है और उनके परिवार का उत्पीड़न किया जा रहा है। अगर श्रीकांत त्यागी के परिवार का उत्पीड़न बंद नहीं किया गया तो वो सरकार को आने वाले चुनाव में सबक सिखाएंगे।'

# रॉ मैटेरियल को बनाने के पश्चात इंडस्ट्री में रीसेल किया जाएगा।

**प्रयागराज।** मण्डलायुक्त श्री विजय विश्वास पन्त की अध्यक्षता मे प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड की 18वीं बोर्ड बैठक कार्यालय स्थित गांधी सभागार में संपन्न हुई जिसमें कुछ नई परियोजनाओं को बोर्ड द्वारा हरी झंडी मिली। रसूलाबाद घाट पर बनाए जा रहे हरित शवदाह गृहों की संख्या बढ़ा दी गई है अब तीन की बजाय वहां पर 9 हरित शवदाह ग्रह बनाए जाएंगे। हरित शवदाह ग्रह नॉर्मल शवदाह ग्रहों की तुलना में सिर्फ एक तिहाई ईंधन का प्रयोग करते हैं एवं इनमें वायु प्रदूषण ना के बराबर होता है।इसी क्रम में जनपद में 6 विभिन्न स्थानों पर मैटीरियल रिकवरी फैसिलिटी बनाने के प्रस्ताव को भी बोर्ड द्वारा हरी झंडी दे दी गई है। यह फैसिलिटीज ठोस अपशिष्ट को प्रोसेस करके उनमें से पेपर, प्लास्टिक, ग्लास एवं क्लिंकर्स का रॉ मटेरियल बनाने में उपयोगी होंगी। इन रॉ मैटेरियल को बनाने के पश्चात इंडस्ट्री में रीसेल किया जाएगा। क्लिंकर्स धातु मल या छोटी ईंट के टुकड़े जैसा होता है जिसका उपयोग फर्श के पत्थर के रूप में किया जाता है।बैठक में कुछ अन्य नयी परियोजनाओं के प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई जिसमें स्मार्ट वेंडिंग जोन, स्मार्ट स्कूल, हेल्थ ए0टी0एम0, नगर निगम जोनल कार्यालयों का जीर्णोधार, शहर में स्मार्ट बिन लगाना तथा एक वृहद स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स बनाना भी शामिल रहे।बैठक में नगर आयुक्त एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रयागराज स्मार्ट सिटी लि0 श्री चन्द्र मोहन गर्ग समेत सभी संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

# रिटायरमेंट के 9 दिन बाद बैठक में शामिल हुए अवनीश, बड़ी जिम्मेदारी मिलने की चर्चा

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**लखनऊ।** यूपी के पूर्व प्रमुख सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी रिटायमेंट के 9वें दिन शुक्रवार को मथुरा पहुंचे। उन्होंने पर्यटन की सुविधा का जायजा लेने के साथ ही कई जगह का स्थलीय निरीक्षण भी किया। इस दौरान वो वश्ंदावन के पर्यटन सुविधा केन्द्र में भी पहुंचे। उन्होंने टीएफसी सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक भी की। उनके साथ प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश मेश्राम, बश्ज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजा कांत मिश्रा, मथुरा के डीएम नवनीत सिंह चहल, एसएसपी अभिषेक यादव, नगर आयुक्त अनुनय झा तथा एडीएम वित्त योगानन्द पाण्डेय भी बैठक में मौजूद थे।

शुक्रवार को वश्ंदावन के पर्यटन सुविधा केंद्र में बैठक होने वाली थी। इस बैठक में शामिल होने के लिए पर्यटन प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम के साथ अवनीश अवस्थी भी पहुंचे। मीडिया के कैमरे से बचते हुए अवनीश अवस्थी मुकेश मेश्राम की गाड़ी से उतर कर मीटिंग हाल की ओर जाते हुए दिखाई दिए। अवनीश अवस्थी की इस बैठक में जाने की तस्वीर की चर्चा लोकभवन से लेकर सियासी गलियारों तक मे हो रही है। अपर मुख्य सचिव गृह और यूपीडा के सीईओ रहे अवनीश अवस्थी 31 अगस्त को रिटायर हो चुके है। इस बैठक में पर्यटन प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम, बश्ज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजा कांत मिश्रा,डीएम नवनीत सिंह चहल, एसएसपी अभिषेक यादव, नगर आयुक्त अनुनय झा,एडीएम वित्त योगानन्द पांडेय बैठक में मौजूद। कहा जा रहा कि अवनीश अवस्थी को एक्सटेंशन ना मिलने के बाद से ही उन्हें बड़ी जिम्मेदारी मिलने की चर्चा थी।

## विद्युत उपकेन्द्र सेक्टर छह जानकीपुरम विस्तार में लगा वैक्सीनेशन कैम्प

**लखनऊ।** जनविकास महासभा ने आज यहां विद्युत उपकेन्द्र, सेक्टर–छह, जानकीपुरम विस्तार में कोविड–19 वैक्सीनेषन कैम्प का आयोजन किया। जिसमें क्षेत्र के लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और वैक्सीनेषन लगवाया। परी पुस्तक के सहयोग से लगाये गये इस षिविर के शुभारम्भ मौके पर विद्युत उपकेंद्र के अधिशासी अभियंता आदर्श कुमार कौशल, लखनऊ जनविकास महासभा एवं लक्ष्य जन कल्याण समिति जानकीपुरम विस्तार के अध्यक्ष एसके बाजपेई, सामाजिक संस्था सोक्ट के अध्यक्ष डॉ. अगम दयाल, जनविकास महासभा के अध्यक्ष पंकज कुमार तिवारी 'एडवोकेट' प्रदेश मंत्री, अजय कुमार यादव एवं पण्डित महेंद्र मिश्रा, समाजसेवी रामकिशन साहू सहित कई प्रमुख लोग मौजूद थे। इस मौके पर शिविर आयोजकों ने क्षेत्र में कोविड–19 से बचाव के उपाय और वैक्सीनेशन के महत्व के प्रति जागरूक किया।

# उप शिक्षा निदेशकध्प्राचार्य डायट प्रयागराज श्री राजेंद्र प्रताप के अध्यक्षता में चार दिवसीय सूक्ष्म शिक्षण पाठ योजना निर्माण कार्यशाला संपन्न।

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**प्रयागराज।** आज जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज में चार दिवसीय सूक्ष्म शिक्षण एवं पाठ योजना निर्माण कार्यशाला के प्रशिक्षण का समापन डायट प्राचार्य व वरिष्ठ प्रवक्ता श्री शिव नारायण के आशीर्वचन के पश्चात हुआ। कार्यशाला का संयोजन डायट प्रवक्ता श्री वीरभद्र प्रताप, डॉ. अंबालिका मिश्रा एवं डॉ. राजेश पांडेय द्वारा हुआ। कार्यशाला में सूक्ष्म शिक्षण व आदर्श पाठ्य योजना बनाने के नियम, सिद्धांत व अभ्यास से डी.एल.एड. छात्राध्यापकों को परिचित कराया गया।

इसके बाद छात्र अध्यापकों को प्रायोगिक कार्य हेतु इंटर्नशिप पर जाने से पूर्व बृहद पाठ्यक्रम शिक्षण हेतु आदर्श पाठ योजना का निर्माण कर प्रदर्शन के माध्यम से छात्राध्यापको द्वारा प्रस्तुतीकरण कराया गया। कार्यशाला मे उप शिक्षा निदेशकध्प्राचार्य डायट ने अपने अनुभव से छात्राध्यापकों को पाठ्य योजना के तकनीकियों से परिचित कराया। वरिष्ठ प्रवक्ता श्री शिव नारायण सिंह ने प्रशिक्षुओं के तर्क शक्ति एवं समझ शक्ति के ज्ञान का परख लेते हुए, अग्रिम इंटर्नशिप हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित किए। वरिष्ठ प्रवक्ता श्री आलोक तिवारी जी ने सूक्ष्म शिक्षण में अभ्यास के महत्व पर प्रकाश डालें व प्रवक्ता श्री पंकज कुमार यादव प्रशिक्षुओं को अपने दायित्वों के निर्वहन ठीक प्रकार से करने पर बल दिए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से वरिष्ठ प्रवक्ता श्रीमती रत्ना यादव, श्रीमती ममता यादव, प्रवक्ता कुलभूषण मौर्य, वर्तिका कुशवाहा, विवेक त्रिपाठी, रिचा राय, नीलम चतुर्वेदी, मनीषा प्रकाश, शबनम के साथ डी.एन.एस.स्टाफ मुकेश लोमड, घनश्याम सिंह, हरिकेश यादव, गगन चंद्र, तथा डी.एल.एड. प्रशिक्षुओ– 2021 के विपिन कुशवाहा, विनय, इमरान, समेत सभी प्रशिक्षुओं की सहभागिता विशेष रहा। कार्यक्रम के तकनीकी सहयोगी के रुप में श्री दिनेश कुमार व अनिल पांडेय का विशेष योगदान रहा तथा कार्यक्रम का संचालन श्री संजय यादव द्वारा किया गया।

## सूखे से निपटने के लिए योगी सरकार कर रही सर्वे का छलावा : अखिलेश यादव

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जनता के साथ वादाखिलाफी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में सूखे की छाया मंडरा रही है और किसानों को मुआवजा देने की जगह योगी सरकार अभी तक सर्वे का छलावा कर रही है। अखिलेश ने भाजपा की वादाखिलाफी के सबूत देते हुए कहा कि चुनाव के समय मुख्यमंत्री योगी ने किसानों से मुफ्त सिंचाई का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आते ही भाजपा सरकार अपने वादे से मुकर गई। प्रदेश में सूखे की छाया मंडरा रही है।

किसानों को मुआवजा देने की जगह भाजपा सरकार अभी तक सर्वे का छलावा कर रही है। किसानों की आय 2022 तक दुगनी करने का वादा भी भाजपा ने नहीं निभाया। भाजपा सरकार ने अभी तक इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया है। जनता से वादाखिलाफी करने को भाजपा का वास्तविक चरित्र बताते हुए अखिलेश ने कहा कि चुनाव के समय किसानों को सम्मानिधि दी गई थी, लेकिन अब उनसे वसूली हो रही है। अखिलेश के हवाले से पार्टी द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि जनता को धोखे में रखने के लिए नये नये वादों और जुमलों की हेराफेरी करने में भाजपा को महारथ हासिल है। पवित्र मां गंगा और यमुना नदी से भी भाजपा धोखा करती है। युवाओं को तो छलती ही रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की इन हरकतों से जनता तंग आ चुकी है। अब जनता भाजपा को आगे बर्दाश्त नहीं करेगी। उप्र के अगले विधानसभा चुनाव 2027 में होने से पहले ही जनता भाजपा को 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में ही सबक सिखा देगी। सपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक विकास की हकीकत भी भाजपा के दावों से बिल्कुल उलट है। उन्होंने कहा कि उद्योगधंधो फाइलों में चल रहे है। नौकरी के नाम पर नौजवानों को सिर्फ भटकाया गया है। परीक्षाओं में धांधली आम बात हो गई है। युवा बेरोजगारों की फौज को राष्ट्र की प्रगति और विकास में भागीदारी से जानबूझकर वंचित किया जा रहा है।

# लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी सीटें जीतेगी भाजपा : प्रदेश अध्यक्ष

## प्रदेश अध्यक्ष ने रामनरेश रावत को दी श्रद्धांजलि

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**बाराबंकी।** पूर्व विधायक रामनरेश रावत के निधन पर शोक संवेदनाएं व्यक्त करने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी शुक्रवार की शाम आवास विकास स्थित उनके घर पहुँचे। प्रदेश अध्यक्ष ने उनके चित्र के सम्मुख पुष्प अर्पित करके उनको श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने रामनरेश की पत्नी सरोज रावत व पुत्र अरुण रावत को अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की, उनके साथ कुछ समय बिताए।

उसके उपरांत प्रदेश अध्यक्ष भाजपा जिला कार्यालय पहुँचे। कार्यकर्ताओं से मुखातिब प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत मिलने से विपक्षी दल अभी तक कोमा में हैं। सदमे से उबरने में उन्हें अभी समय लगेगा। जबकि भाजपा बूथ स्तर तक सेवा पखवाड़ा मनाने में जुटी हुई है। कहा कि बूथ अध्यक्ष से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक लोकसभा चुनाव में बड़ी जीत के लिए जनता के बीच जा रहे हैं। जोर देकर कहा कि आगामी लोकसभा में भाजपा प्रदेश की सभी सीटें जीतकर इतिहास रचेगी। कहा प्रत्येक कार्यकता पर पार्टी की नजर है। सभी मेहनत करके सन्निकट नगर निकाय के चुनाव में भी भाजपा का परचम लहराना है। इसके पूर्व उन्होंने सभी कार्यकताओं का परिचय प्राप्त किया। हौसला बढ़ाते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं का सम्मान सर्वोपरि है। उन्होंने संगठन और सरकार के मध्य बेहतर तालमेल स्थापित करने की बात कही। कार्यकर्ताओं को गुटबाजी से दूर रहने की नसीहत भी दी मिनट का मौन रखकर दिवंगत नेता की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री अमरपाल मौर्य, प्रियंका सिंह रावत, एमएलसी विजय बहादुर पाठक, जिला प्रभारी अर्चना मिश्रा, क्षेत्रीय महामन्त्री त्रयम्बक तिवारी, जिला अध्यक्ष शशांक कुसुमेश, सांसद उपेंद्र रावत, जिपं अध्यक्ष राजरानी रावत, एमएलसी अंगद सिंह, विधायक दिनेश रावत,पूर्व विधायक शरद अवस्थी, अवधेश श्रीवास्तव, संदीप गुप्ता, विजय आनंद बाजपेई, प्रमोद तिवारी, रचना श्रीवास्तव सहित अन्य भाजपाई मौजूद रहे।

## नीट में मेधावियों ने बाजी मारी

**बस्ती।** नीट–2022 का परिणाम बुधवार को देर रात घोषित किया गया। इसमें बाजी मारने वाले मेधावियों के परिवार वाले गदगद हैं। नगर क्षेत्र के खजुरिया मिश्र निवासी हरिशंकर मिश्र के पुत्र आदित्य कुमार मिश्रा ने बिना कोचिंग किए तीसरे प्रयास में 606 नंबर लाकर परीक्षा उत्तीर्ण की। सदर क्षेत्र के सोनहटिया क्षेत्र के स्व. राम अचल के पुत्र गोपाल अपराइज टयुटोरियल्स में पढ़कर 626 अंक पाकर ऑल इंडिया में 4022 रैंक हासिल की। अनीस अहमद की पुत्री अक्सा नूर अंसारी ने 613 अंक प्राप्त किया। प्रैक्सिस विद्यापीठ के छात्र आशुतोष दूबे 602 अंक लाकर 98.86 प्रतिशत अंक हासिल किया। एससीआई कोचिंग संस्थान के पांच विद्यार्थियों नयनषी चौधरी 636, आकाश निराला 426, शिवानी 507, आकांशा पटेल, रिस्टिक वर्मा, अस्था गौतम, अनूप कुमार ने सफलता प्राप्त की।

शहर के बड़ेवन के डॉ. अवधेश कुमार चौधरी के पुत्र शिवांश चौधरी ने 680 अंक पाकर ऑल इंडिया में 847 रैंक हासिल की है। चौनपुरवा गांव के कौशल किशोर शुक्ला के पुत्र सत्यम शुक्ला 627 अंक प्राप्त किया।

# डीएम ने लापरवाह अधिकारियों को दी चेतावनी,विकास कार्यों की मासिक समीक्षा की

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**गोण्डा।** गोंडा जिलाधिकारी डॉ. उज्ज्वल कुमार की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार कक्ष में विकास एवं निर्माण कार्यों की मासिक समीक्षा आयोजित हुई। इसमें डीएम ने स्पष्ट किया कि यदि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता खराब पाई गई तो संबंधित विभाग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि शासन से बजट मिलने के बाद भी जिन विभागों या ठेकेदारों द्वारा लापरवाही बरती जा रही है वे तत्काल सुधार कर लें और तय समय सीमा में पूरी गुणवत्ता के साथ काम कराकर हैंड ओवर कराएं।

समीक्षा बैठक में डीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें। वहीं निर्माण कार्यों की समीक्षा में डीएम ने कार्यदायी संस्था को सख्त निर्देश दिए हैं कि सभी कार्यों का निर्माण पूरी गुणवत्ता के साथ समय से कराना सुनिश्चित करें। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं बैठक में अनुपस्थित होने के कारण एक्सईएन सिंचाई विभाग खंड 1, 2, 3 और एक्सईएन पैकफेड तथा एक्सईएन आवास विकास का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए। उप निदेशक उद्यान को डीएचओ का चार्ज होने के उपरांत बैठक में अनुपस्थित होने पर स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार, सीएमओ डॉक्टर रश्मि वर्मा, उपनिदेशक कृषि, डीसी एनआरएलएम, जिला विकास अधिकारी दिनकर विद्यार्थी, डीसी मनरेगा संत कुमार, सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारीगण तथा कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी उपस्थित रहे।

# संक्षिप्त खबरे

## चोरी से काटे गए सेमल के 11 पेड़, लकड़ी भी गायब की

**बहराइच।** चोरी से सेमल के पेड़ की अवैध कटान कर लकड़ी गायब करने के मामले में पुलिस ने तीन पर नामजद केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। फखरपुर थाने के कोठवल कला निवासी रावेन्द्र कुमार सिंह पुत्र इन्द्र बहादुर सिंह के खेत में लगे 11 सेमल के पेड़ों को एक सितम्बर की रात काट लिया गया। जानकारी होने पर पीड़ित ने काफी तलाश की, किन्तु लकड़ी भी नहीं मिली। गांव के ही दो लोगों के बारे में जानकारी हुई कि उन्होंने पेड़ कटवा कर परसेंडी के मोहम्मद उमर के हाथ धन लेकर बेंच दिया है। पीड़ित ने गांव के ननकऊ व ज्ञानेन्द्र से शिकायत किया तो दोनों मारपीट को आमादा हो गए। पीड़ित की ओर से थाने में गांव के ही ननकऊ, ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह , परसेंडी निवासी मोहम्मद उमर के विरुद्ध तहरीर दी। पुलिस ने इस मामले में चोरी, धमकी व ग्रामीण वन संरक्षण अधिनियम के तहत तीन लोगों को नामजद कर एफआईआर दर्ज की है।

## आज से शुरू होगा पितृ पक्ष, होगा पिंड दान तर्पण

**बस्ती।** भादो मास के शुक्ल पक्ष पूर्णिमा तिथि से शुरू होकर अश्विन मास कृष्ण पक्ष की अमावस्या तक चलने वाले पितृपक्ष की शनिवार को शुरुआत होगी। 25 सितंबर को पितृ विसर्जन यानी पितृपक्ष का समापन होगा। अबकी बार पितृपक्ष 16 दिन का होगा। इस पखवारे में हिंदू धर्मावलंबी अपने दिवंगत कुटुंबों और स्वर्गवासी सगे संबंधियों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान, ब्राह्मण भोज और अन्य प्रकार के अनुष्ठान करते हैं। विद्वानों का कहना है कि पितृपक्ष में किए गए दान पुण्य पूर्वजों को तृप्त करते हैं। पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ इस पक्ष में तर्पण, पिंडदान और गरीबों को भोजन कराया जाना चाहिए। पंडित देवस्य मिश्र ने बताया कि जिन परिजनों की अकाल मृत्यु या फिर किसी दुर्घटना या आत्महत्या का मामला है तो उनका श्राद्ध चतुर्दशी के दिन किया जाता है। दिवंगत पिता का श्राद्ध अष्टमी और मां का श्राद्ध नवमी के दिन किया जाता है। जिन पितरों के मरने की तिथि न मालूम हो, उनका श्राद्ध अमावस्या के दिन करना चाहिए। यदि कोई महिला सुहागिन मृत्यु को प्राप्त हुई तो उनका श्राद्ध नवमी को करना चाहिए। संन्यासी का श्राद्ध द्वादशी के दिन किया जाता है।

## सड़क पर पलटा ऑटो रिक्शा, मासूम की मौत

**बस्ती।** बस्ती से सोनहा की तरफ वीरवार की रात एक ऑटो रिक्शा जा रहा था। इस पर सोनहा थाना क्षेत्र की नरखोरिया निवासी पूजा (30) पत्नी विश्वनाथ, उनके परिवार की दो माह की पायल पुत्री रामललित समेत कुल सात लोग सवार थे। बताया जा रहा है कि बस्ती–डुमरियागंज मार्ग पर वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के खरहरा पोखरा के पास अचानक ऑटो रिक्शा बेकाबू होकर पलट गया। हादसे में पूजा, दो माह की पायल और ऑटो चालक राजेश निवासी चाइबारी थाना कोतवाली गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि अन्य को हल्की चोट आई। हादसे के बाद मौके पर जुटी भीड़ की मदद से मौके पर 108 एंबुलेंस को बुलाया गया। सभी घायलों को पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सल्टौआ भेजा गया। यहां से चिकित्सक ने पूजा, पायल और चालक राजेश को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुंचने से पहले ही मासूम पायल ने दम तोड़ दिया था। यहां पहुंचने पर चिकित्सक ने मश्त घोषित कर दिया। बेटी की मौत से माता–पिता का रो–रोकर बुरा हाल हो रहा था।

## प्रदेष अध्यक्ष का सीमा पर किया जोरदार स्वागत

**ckjkckdhA** नवनिर्वाचित भाजपा प्रदेष अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी का बाराबंकी आगमन पर ज़ोरदरार स्वागत किया गया। इस अवसर पर पंकज गुप्ता पंकी, प्रदेष कार्यसमिति सदस्य, भाजपा पिछड़ा मोर्चा, उत्तर प्रदेष, प्रदेष उपाध्यक्ष, अंतराश्ट्रीय वैष्य महासम्मेलन, उत्तर प्रदेष ने भूपेंद्र चौधरी का भव्य स्वागत कर व आत्मीय भेंटकर अमूल्य मार्गदर्षन व आषीर्वाद प्राप्त किया।

## कोचिंग पढ़ने निकला कक्षा 9 का छात्र लापता

**अयोध्या।** गोयड़ी गांव से कोचिंग पढ़ने निकला कक्षा 9 का छात्र आयुष्मान लापता हो गया है। कोचिंग और विद्यालय से वापस न लौटने के बाद परिजनों ने खोजबीन की किंतु लापता छात्र का कहीं पता नहीं लग सका है। खोजबीन कर थके हारे परिजनों ने अपने पुत्र के लापता होने की जानकारी कुमारगंज पुलिस को दी है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम परिजनों के साथ लापता छात्र की खोजबीन में जुटी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक कुमारगंज थाना क्षेत्र के ग्राम गोयड़ी पूरे शुक्ल निवासी राजीव दुबे का लगभग 13 वर्षीय पुत्र आयुष्मान दुबे अमानीगंज शिक्षा क्षेत्र स्थित रामकृष्ण राजदुलारी इंटर कॉलेज सहजनमऊ अटेसर के कक्षा 9 का छात्र है। परिजनों का कहना है कि वह घर से लगभग 6रू00 बजे प्रतिदिन घटौली गांव स्थित रामचरन औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र भवन में कोचिंग पढ़ाने वाले विनोद शुक्ला की कोचिंग में पढ़ने जाता था। 6.30 से 7.30 तक कोचिंग क्लास लेने के उपरांत वहीं से सीधे विद्यालय चला जाता था और विद्यालय से छुट्टी होने के उपरांत शाम 6.00 बजे तक फिर घर वापस लौटता था। परिजनों के मुताबिक वह बीते गुरुवार को नित्य की भांति कोचिंग और विद्यालय के लिए निकला था। लेकिन वह न तो कोचिंग सेंटर पहुंचा और न ही अपने विद्यालय। देर शाम तक आसमान के अपने घर वापस न लौटने के बाद परिवार वालों की बेचौनी बढ़ गई। उन लोगों ने खोजबीन शुरू कर दी। लेकिन कहीं पता ना चल सका। कोचिंग संचालक और विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि आज आयुष्मान पढ़ने नहीं आया था। बीते बृहस्पतिवार की रात तक परिजन आयुष्मान को खोजते रहे किंतु कहीं पता नहीं चल सका। जिसके बाद थके हारे परिजनों ने घटनाक्रम की जानकारी स्थानीय थाना पुलिस कुमारगंज को दी।

# जन्म के 4 घंटे बाद बच्ची को झाड़ियों में फेंका

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**गोण्डा।** किसी मां ने नवजात बच्ची को जन्म के बाद झाड़ियों में फेंक दिया। सुबह खेतों की तरफ गई महिलाओं ने झाड़ियों के बीच से बच्चे के रोने की आवाज सुनी तो दौड़कर पहुंचीं। वहां देखा तो नवजात बच्ची काले कपड़े में लिपटी पड़ी हुई थी। महिलाओं ने उसे उठकार सीने से लगाया और पुलिस को सूचना देकर बुलाया। पुलिस उसे लेकर पीएचसी पहुंची और भर्ती करवाया। बच्ची स्वस्थ थी। उसके बाद चाइल्ड लाइन का सूचना देकर बच्ची को उनके सुपुर्द कर दिया गया है। संवेदनहीनता का ये मामला खरगूपुर का है। यहां की जानकी नगर पुलिस चौकी का देवरहना गांव है। गांव के बाहर खेत के पास झाड़ियों में बच्ची को जन्म के 4 घंटे बाद ही किसी मां ने फेंक दिया। देवरहना गांव की केवला देवी और सुनीता देवी ने बताया सुबह करीब 6 बजे का वक्त होगा। हम दोनों लोग खेत जा रहे थे। गांव के बाहर गन्ने के खेत से करीब 50 मीटर पहले झाड़ियों में किसी बच्चे के रोने की आवाज सुनी। हम दोनों लोगों ने जाकर देखा तो वहां घास में बच्ची काले और हरे रंग के कपड़े में लिपटी पड़ी थी। बच्ची भूख के मारे रो रही थी। केवला देवी के मुताबिक, हम दोनों लोगों ने बच्ची को उठाकर दुलारा और चुप कराया। उसके बाद गांव के लोगों को बुलाया। पुलिस चौकी को सूचना दी गई। चौकी प्रभारी घनश्याम वर्मा मौके पर पहुंचे। भगवान का शुक्र है बच्ची तक कोई जानवर नहीं पहुंच पाया। चौकी प्रभारी घनश्याम वर्मा के मुताबिक मौके पर 108 एंबुलेंस को बुलाकर बच्ची को महिलाओं के साथ ले जाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इटियाथोक लाया गया। जहां नवजात बच्ची का चेकअप करवाया गया। पीएचसी अधीक्षक डॉक्टर अजय यादव के मुताबिक, बच्ची को सुबह करीब 8 बजे लाया गया था। प्राथमिक जांच में प्रतीत हो रहा है कि बच्ची का जन्म 5 से 6 घंटे पहले हुआ है। बच्ची स्वस्थ है, लिहाजा चाइल्ड लाइन को सूचना देकर बुलाया गया। बच्ची को उनके सुपुर्द कर दिया गया है। खरगूपुर थाना अध्यक्ष कुबेर तिवारी ने बताया, फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से डिटेल मंगवाई जा रही है कौन–कौन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में नवजात बच्ची का जन्म हुआ है और किसके घर में बच्ची नहीं है। साथ ही प्रसव कराने वाली दाइयों से भी पूछताछ की जा रही है।

## तेज रफ्तार पिकप व कार में भिड़ंत, दो घायल

**बहराइच।** बहराइच–रुपईडीहा हाईवे पर डिहवा गांव के पास तेज रफ्तार पिकअप व कार में भीषण भिड़ंत हो गई। इस हादसे में दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस दो घायलों को नानपारा सीएचसी लाई। दोनों घायलों की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। नानपारा कोतवाली के डिहवा गांव निवासी सर्वजीत सिंह पुत्र मोहन सिंह शुक्रवार सुबह दस बजे पिकअप से अपने गांव आ रहे थे। जैसे ही वह डिहवा गांव के पास पहुंचे। विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार डिजायर कार व पिकअप में भिड़ंत हो गई। इस हादसे में सर्वजीत व कार सवार नानपारा कस्बे निवासी अमन रस्तोगी पुत्र राज कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही दरोगा राघवेंद्र मौर्य पुलिस बल के साथ पहुंचे। घायलों को नानपारा सीएचसी पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने घायलों की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक इलाज के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

## प्रथम पुण्यतिथि पर स्वः हुकुम सिंह को याद कर लोगो ने किया नमन व वृक्षारोपण

**बाराबंकी।** समाजवादी चिंतक, दलितों व पिछडो के मसीहा के रूप में विख्यात स्व नेता श्यामलाल यादव के पुत्र सपा नेता स्वः हुकुम सिंह यादव की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धाजंलि सभा आयोजित हुई। कार्यक्रम मे समाजसेवियो, बुद्धिजीवियो ने स्वः हुकुम सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। पुण्यतिथि पर ज्ञान सिंह यादव ने सर्वप्रथम बड़े भाई स्वः हुकुम सिंह यादव की स्माधि पर जाकर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इसके उपरान्त स्माधि स्थल पर वृक्षारोपण किया गया। इस मौके पर उनके छोटे भाई ज्ञान सिंह यादव ने कहा कि परिवार की रीति, जरुरतमंदो, कमजोरो व गरीबो की मदद करने की रही है। यही काम हमारे पिता स्वः श्यामलाल यादव व बडे भाई स्वः हुकुम सिंह यादव ने किया, और मै भी उन्ही के रास्ते पर चलकर समाज की सेवा करने का प्रयास करुगा। इस अवसर पर ओमचन्द्र यादव, पंकज शर्मा, लल्ला यादव, विकास यादव, जयपाल, तरुण वर्मा, विवेक, रमापति यादव, धर्मानन्द, बृजकिशोर आदि मौजूद रहे।

# मिल्कीपुर में सहायक प्राध्यापक पद भर्ती में धांधली

**अयोध्या।** आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज प्रशासन द्वारा योग्य अभ्यर्थियों का नाम साजिश के तहत साक्षात्कार सूची से हटाने का मामला प्रकाश में आया है। विश्वविद्यालय में स्वायल एंड वाटर कंजर्वेशन इंजीनियरिंग विषय में सहायक प्राध्यापक पद के लिए बीते 31 मई को स्क्रीनिंग के लिए लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। राजभवन द्वारा निर्धारित समयावधि के अंतर्गत इसका परिणाम बीते 2 जून 2022 को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया था। लिखित परीक्षा परिणाम सूची में एक अभ्यर्थी डॉ जगदीश पढ़िआरी का नाम नहीं था। परन्तु साक्षात्कार सूची में उनका नाम सम्मिलित है। उल्लेखनीय है कि लिखित परीक्षा परिणाम सूची में कुल 14 अभ्यर्थियों के नाम शामिल किये गए थे, जिसमें डॉ जगदीश पढ़िआरी का नाम शामिल नहीं था। परन्तु अत्यन्त आश्चर्य का विषय यह है कि जब 30 अगस्त 2022 को साक्षात्कार के लिए बुलाए जाने वाले अभ्यर्थियों की अंतिम सूची विश्वविद्यालय वेबसाइट पर अपलोड की गई तो उसमें जिन 14 अभ्यर्थियों का नाम शामिल था। उसमें डॉ जगदीश पढ़िआरी का नाम भी उल्लिखित है। जबकि लिखित परीक्षा में कई अभ्यर्थियों से ज्यादा अंक प्राप्त करने वाले सुमित कुमार विश्वकर्मा का नाम हटाकर लिखित परीक्षा में अनुपस्थित रहने वाले डॉ जगदीश पढ़िआरी का नाम शामिल किया गया है। इस बाबत जब अभ्यर्थी सुमित कुमार विश्वकर्मा द्वारा इस बात की शिकायत विश्वविद्यालय के निदेशक प्रशासन एवं परिवीक्षण से की गई तो उनके द्वारा ईमेल से दिए गए जवाब में सुमित कुमार का एपीआई स्कोर कम होने के कारण साक्षात्कार सूची में नाम न होने की बात लिखी गई है। जबकि डॉ जगदीश पढ़िआरी का नाम बिना लिखित परीक्षा में उपस्थित हुए किन परिस्थितियों में शामिल किया गया है। इसके बारे में उस पत्र में कोई जिक्र नहीं किया गया है।

# सेन्ट्रल एकेडमी को हरा कर अरविन्द एकेडमी ने 23 रनों सं फाइनल जीता

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**बाराबंकी।** सेन्ट्रल एकेडमी बाराबंकी द्वारा के०डी० सिंह बाबू स्टेडियम बाराबंकी में आयोजित अन्तर्विद्यालयीय टी–20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतिम दिन फाइनल मैच सेन्ट्रल एकेडमी इंदिरा नगर तथा अरविन्द एकेडमी लखनऊ के मध्य खेला गया। अरविन्द एकेडमी ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नवीन के 31 रनों की सहायता से 113 रन बनाए, जबकि सेन्ट्रल एकेडमी इंदिरा नगर के अंशुमान सिंह ने 6 विकेट झटके। प्रत्युत्तर में सेन्ट्रल एकेडमी की टीम शिशिर के 24 रनों की संघर्षपूर्ण पारी के बावजूद 90 रनों पर आल आऊट हो गई। अरविन्द एकेडमी के नवीन ने 4 विकेट प्राप्त किये। इस प्रकार अरविन्द एकेडमी के नवीन ने 4 विकेट प्राप्त किये। इस प्रकार अरविन्द एकेडमी 23 रनों से जीतकर इस टूर्नामेण्ट की विजेता बनी। इससे पहले मुख्य अतिथि सेन्ट्रल एकेडमी समूह के निदेशक हरीश पाण्डेय तथा दैनिक जागरण बाराबंकी के ब्यूरों चीफ आनन्द त्रिपाठी ने दोनो टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया व उन्हें शुभकामनाएं दी तथा मैच को आरम्भ कराया। निदेशक हरीश पाण्डेय ने विजेता व उप विजेता टीमों को ट्राफी और पुरस्कार वितरित किया। दैनिक जागरण ब्यूरोचीफ ने अरविन्द एकेडमी के नवीन को मैन आफ द मैच का पुरस्कार तथा सेन्ट्रल ऐकडमी इंदिरानगर के अंशुमान सिंह प्रथम को मैन ऑफ द सीरिज का पुरस्कार प्रदान किया।

## 7 माह के अनमय को बचाने की मुहिम, 16 करोड़ के इंजेक्शन के लिए लोग जुटा रहे पैसा

**अयोध्या।** अनमय को स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी जैसी जटिल बीमारी से जूझते महीनों हो गए हैं। अनमय को बचाने के लिए अयोध्या में भी समाजसेवी मुहिम चल रहे है। अनमय को नई जिंदगी देने के लिए अमेरीका से लाकर एक इंजेक्शन लगाया जाना है। इसकी कीमत 16 करोड़ रुपए है। इसके लिए तमाम सामाजिक संगठन अन्मय की मदद लिए सामने आ रहे हैं। अब तक देश और विदेश से उसके लिए लोगों ने 95 लाख रुपए से अधिक की रकम दान की है। अयोध्या के भी युवा वर्ग और समाजसेवी अनमय के इलाज के लिए पैसा इकट्ठा कर रहे हैं। सिविल लाइन के गांधी पार्क में समाजसेवियों ने अनमय के लिए पैसे इकट्ठा किया। नामित पार्षद रीना द्विवेदी ने बताया कि एक मां से उसका बेटा ना जुदा हो पाए, उसकी मातश्त्व की रक्षा के लिए हम यहां इकट्ठा हुए हैं और उस छोटे से बच्चे के इलाज के लिए चंदा मांग रहे हैं जिससे उसका इलाज हो सके।

# 23 राशि गोवंशीय पशु व 400 ग्राम मारफीन के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

**प्रयाग दर्पण संवाददाता**

**बाराबंकी।** थाना लोनीकटरा पुलिस ने 10 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार, कब्जे से 23 राशि गोवंशीय पशु, कुल 400 ग्राम मारफीन व घटना में प्रयुक्त दो अदद वाहन बरामद किये है। जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत आज थाना लोनीकटरा पुलिस टीम द्वारा अभियुक्तगण 1. कुर्बान अली पुत्र मो० तौफीक 2. अरबाज अली पुत्र मकसूद अली 3. महबूब पुत्र हनीफ निवासीगण ग्राम हसनपुर थाना बंधुआकलां जनपद सुलतानपुर 4. फखरुद्दीन पुत्र मोहर्रम अली 5. धर्मराज 6. रामकरन पुत्रगण रामसनेही 7. राजू कुमार पुत्र सियाराम निवासीगण ग्राम धोबिया मजरे गौरवा थाना हैदरगढ़ जनपद बाराबंकी 8. राम कैलाश पुत्र रामसेवक निवासी ग्राम बहगदहन पुरवा मजरे शीठूमऊ थाना हैदरगढ़ जनपद बाराबंकी 9. नौशाद पुत्र अल्लू निवासी मोहल्ला कंचाना कस्बा व थाना जायस जनपद अमेठी 10. ओम प्रकाश पुत्र श्रीकेशन निवासी बक्तावर नगर थाना शिवगढ़ जनपद रायबरेली को ग्राम शाहपुर शिदवी के पास से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के पास 23 राशि गोवंशीय पशु, कुल 400 ग्राम मारफीन व घटना में प्रयुक्त दो अदद वाहन एक अदद डीसीएम यूपी 41 टी 7786 व एक अदद पिकअप यूपी 32 एमएन 2993 बरामद बरामद किया गया। अभियुक्तगण के विरूद्ध थाना लोनीकटरा पर मु०अ०सं० 320/2022 धारा 3/11 पशु क्रुरता अधिनियम व मु०अ०सं० 321, 325 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया।

अभियुक्तगण ने पूछताछ में बताया कि हम लोग नफीस उर्फ मो० हारून के सहयोग से गोवंशीय पशुओं का व्यापार करते हैं।

## भूमाफिया की लगभग 20 रूपये की सम्पत्ति गैंगस्टर एक्ट के तहत की गई कुर्क

**बाराबंकी।** पुलिस प्रषासन द्वारा भूमाफिया अभियुक्त गैंगलीडर की अचल सम्पत्ति कीमत लगभग 20 लाख 57 हजार रुपये को धारा 14(1) गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क किया गया। थाना कोतवाली नगर पर पंजीकृत मु०अ०सं० 525/2022 धारा 3(1) यूपी गैंगस्टर एक्ट के अभियुक्त गैंग लीडर संजय सिंह सिंघला पुत्र पुरुशोत्तम दास सिंघला निवासी म०नं०–624 वी/159 विजईपुर विषेश खण्ड–2, गोमती नगर जनपद लखनऊ द्वारा सिंघला रेजिडेंसी नामक कम्पनी बना कर लोगों को प्लाट मकान की रजिस्ट्री किए जाने तथा सम्बन्धित को कब्जा दिये जाने के बाद उन्हीं प्लाटध्मकान को पुनरू अपने कब्जे में लेकर भूस्वामी द्वारा कराये गये निर्माण को हटाकर फिर से अपने कब्जे में लेने के बाद रजिस्ट्री कराए व्यक्ति को पैसा वापस न करने जैसा अपराध कर अवैध रूप से धनोपार्जन कर स्वयं एवं परिजनों के नाम पर अचल सम्पत्ति अर्जित की गई । बाराबंकी पुलिस एवं प्रषासन द्वारा अवैध रूप से अर्जित की गई अचल सम्पत्ति को अन्तर्गत धारा 14(1) उ०प्र० गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम के तहत कुर्क किया गया।अभियुक्त गैंगलीडर संजय सिंह सिंघला पुत्र पुरुशोत्तम दास सिंघला निवासी म०नं०–624 वी/159 विजईपुर विषेश खण्ड–2, थाना गोमती नगर जनपद लखनऊ कुर्क सम्पत्ति कीमत लगभग बीस लाख सत्तावन हजार एक सौ दस रुपये की है जिसमें केडीटी प्लाजा राम राम बैंक चौराहा अलीगंज लखनऊ स्थित दुकान कीमत लगभग 20,57,110 रुपये है तथा अभियुक्त का आपराधिक इतिहास भी है जिसमें उसके विरूध थाना कोतवाली नगर जनपद बाराबंकी बौर थाना गोमती नगर जनपद लखनऊ में कुल आठ मुकदमें दर्ज है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।